ई जे समय अछि

(मैथिली लघुकथा-संग्रह)

ई जे समय अछि

अनमोल झा

EE JE SAMAY ACHHI (Collection of Maithili Short Stories)

By Anmol Jha

समर्पण

सगर राति दीप जरय कथा गोष्ठी कें जकर दोसर आयोजन 29.4.1990 भोला उच्च विद्यालय डयोढ़ स' सम्मलित भ' एखन धरि हम समयानुसार जतय ततय भाग लैत रहलउ आ लघुकथा कथा लिखैत लुरि भास सीखैत रहलउ।

तकरे समर्पण करैत छी ई लघुकथा संग्रह।

अनमोल झा

अनुक्रम

प्रतिष्ठा 3
प्रोत्साहन 3
तेल 4
बदलैत समय 4
दाम 5
फर्ज 5
युग बोध 6
नियम पालन 6
जाति 6
हरिश्चंद्र 7
पछतावा 8
बुद्धि 8
समय समयक बात 9
कल्चर 9
जाति 10
चंदा 10
कमाइ 10
संस्कार एक 11
छीक 11
बोध 12
ज्ञान 13
धक्का 13
चिंतन 14
संतुष्टि 14
कर्त्तव्यनिष्ठा 15
यथार्थक बोध 15
प्रेम 15
लाज 16
सेवा 17
मनुक्ख 17
दू नेती 18
कंट्रोल 18
प्राइभेट कंपनी 19
चिंता 19
भार 20
प्रगति दिश 20
फारमूला 20
पिछड़ल राज्य 21
कबाछु 22
भंडाफोर 22
प्रतिष्ठाक रक्षा 22
भालोबासा 23
भमरा 23
रहस्य 24
दखल देब 24
स्टेचमेंट 25
आत्माक आबाज 26
आत्मविश्वास 27
आजादी 27
तंग 27
विकसित होइत देश मे... 28
डेरायल 29
फूकि फूकिक' 29
आजुक बच्चा 30
शोक 30
मातृभाषा 31

जड़िक 31
जागरूकता 32
आशा 32
अपन गाम 33
साहस 33
गुरु दक्षिणा 34
अनसिमिलाइंड 35
सासु 35
सोच 36
दुख 36
सेवा 37
पाथड़ 37
भविष्य 38
राजनीति 39
पुत्रधन 40
यथार्थ 40
राक्षस 41
मजूरी 42
उम्रक मादे 43
शंका 43
आस्वस्त 44
सहानुभूति 44
आश्चर्य 45
इलाज 46
नोत 46
भगवान देथुन 47
साहित्य अकादमी पुरस्कार 48
अगिला मास 48
बौआ 49
कमाइ 49
भरसा 50
गुम्म 50
धुकधुकी 50
टिकट 51
भोटक खातिर 51
बुद्धू 52
पाबनि 53
भविष्य 53
छुआएब 54
समयक संग 55
विश्वकप 56

ई जे समय अछि

(मैथिली लघुकथा-संग्रह)

प्रतिष्ठा

एयरपोर्ट स' साटक फोन अबिते जे हम एत आयल छी ऑफिसक काजे। अहांक ऑफिस उतेक दूर अछि एत' स' से सुनिते पहिने हम अपन जुता दिस तकने रही आ तकरा बाद पेंट आ बुस्ट दिस। जुत्ता मे त' पांच टका खर्च कके पॉलिस करा लेने ठीक भ' जेतै मुदा पेंटक मोरी जे उघैर गेल छलै से मैचिंग कलरक रील स' नहि सील छलै से ओहिना अलटर देखाइत छलै। बुस्ट दिस देखलउ त' ततेक खराप नहि छलै थोड़े मोरैले तोड़ैल छलै। तथापि हम कहने रहियनि कतेक काल प्राय: एक घंटा लागत अबै मे टैक्सी स'। ओ सुनिते कहैत छथि नहि तखन नहि आयल होयत ओझा जी। हम ऑफिसक काजे एयरपोर्ट पर आयल छलउ आ से काज भ' गेल अछि रतुका आठ बजेक फ्लैट स' वापसी अछि। दू घंटा पहिने वोडिंग लेल पहुंचक रहै छै। हम दोसर बेर आयब निश्चय।

हमरा होम आयल कतउ स'। तथापि कहलियनि हम ई भेलै बहिन अहांक पूछथि त' हम की कहबनि नहि एल। हम त' बाजबे ने सुनब। ओ कहलनि नहि नहि हम दोसर खेप अबै छी तखन आयब।

ओ चेन्नइ मे कष्टम इंसपेक्टर छथि। डेरा पर जखन हम जा पत्नीकें कहलियनि अहांक भाय आयल छला एयरपोर्ट। एतहो अनितियनि से समय नहि छलनि तैं नहि एला। पत्नी कहैत छथि ठीक केलउ नहि अनलउ से। एत अबिते त' ई बॉस बला टालीक डेरा मे कोना रहितै ओ। एकटा घर बाथरूम आ पैखाना मे प्लास्टीकक करिया पत्नी टांगल। नीके केतनि जे नहि एला।

हम कहलियनि की होइतै अबितथि त' देखितथिन त' देखितथिन। यथार्थे ने देखितथिन। आ यथार्थक कखनो नहि छिपेबाक चाही। आ कहुं त' ओ यदि ऑफिस आबि जाइतथि आ हम डेरा नहि अनितियनि से होइतै। पत्नी कहलनि कियै नहि होइतै अहां हमरा सं बात करा दितियै हम कहितियनि नहि अहां नहि आउ। अहां रहै बला हमर डेरा नहि अछि। हम ई नहि बुझि रहल छलउ जे ओ हमर प्रतिष्ठा राख चाहैत छथि कि माइक....।



प्रोत्साहन

कोर्सक पोथी तकैत -तकैत हेरान भए गेल रही। कोनो दोकानदार गछलक नहि। केओ कहथि संपादक महोदय जखन पाठ्यक्रम निर्धारण समितिक सदस्य छलाह, पोथी कोर्स मे लगओलनि। मुदा छपलैक कि नहि, से नहि कहि सकैत छी। जेना-जेना परीक्षाक दिन निकट आएल जाए, हमर व्यग्रता बढ़य लागल। ऊपर सं पत्नीक व्यंग्य वाण मैथिली रखबे किएक कएलहुं जखन पोथी सुलभ नहि छैक?

हमर व्यग्रता सं द्रवित भए एक शुभेच्छु नाम नहि खोलबाक शर्त पर कहलनि, कतए बौआइत छी, अपने लोकक लग तं पोथी अछि। हमर प्रसन्नताक सीमा नहि रहल। पहुंचि गेलहुं। विभिन्न प्रकारक गप्प शप्प भेलैक। चाह जलखै भेलैक। परीक्षाक तैआरीक प्रसंग जिज्ञासा कएलनि। मोन मे भेल बात डोरिआ रहल अछि। अपन समस्या कहलिअनि। सुनितहि गंभीर भए गेलाह। शब्द भेल हूं। कहलनि बहुत पोथी बोहा गेल। आब ककरो दैत नहि छिऐक।

कोनो बात नहि अहांक फ्लैटक नीचहि मे फोटो कापियर छैक तुरंते आबि जाइत छी हम कहलिअनि।

वाह! तखन तँ अहूँ लग भए जाएत।



तेल

ओकरा बॉसक बांहि पर एकटा छाट सन सादा स्पॉट छलैक। ओ अपन असिस्टेंटक फॉक समय मे बजेलक आ कहलकै देखहिन त' ई की छियै।

असिस्टेंट ओकर हाथ पकड़ि क' घुमाक फिराक छू क' आदि आदि भावे देखलक। आ कहलकै किछु नहि सर ई ओहिना किछु छी दू चारि दिन मे ठीक भ' जाएत।

बॉस जोर स' कहलकै हम एकरा दस साल स' एहिना देखि रहलियैहे आ तू कहै छै जे दू चारि दिन मे ठीक भ' जाएत।?

असिस्टेंट आर विश्वास स' कहलक तखन सर किछु नहि छी, ओहिना किछु भ' गेल अछि। कोनो चिंताक बात नहि। से सब रहितए त' एखन पसरि ने गेल रहितै ई। बॉस क' लगलै जे असिस्टेंट तेल लागक' चलि गेल...।

....



बदलैत समय

बाबा अहां जे गेल रही मुंबई त' हमरा सबक कहने रही जे गाम मे एखनो छोटका लोकक पानि नहि चलैत छैक।

हं से त- ठीके ने कहने रही।

आ ई जे सुटना चमार एहि भोज मे पानि भरि भरिक ड्राम मे रखने जाइत अछि से बाबा...।

धुर बूड़ि। ओ की कोनो खाय पीबै बला पानि थोड़े भरैत छैक। ओ त' कांच तरकारी कटला पर धोइलेल बर्तन बासन धोइ लेल ने पानि भरैत छैक।

त' बाबा कहने रही पहिने सेहो नहि भरत छलै, छुआ जाइत छलै। आब नहि छुआएल छै की?

चुप रह आब राड़ एतेक सस्ता नहि रहलै सुनतौ त' ओहो छोड़िक चल जेतउ... हं तखन की करमे...।



दाम

पीआउज की दर देलक?

साठि रुपैये किलो।

आ, खस्सीक मांस?

दू सय साठि रुपैये किलो।

बाप रे बाप।

बाप रे बाप किए कहलियै यै? पीआउज-लहसूनक दाम जेना बढ़लै ताही हिसाबे त' मांसक दाम छह हजार रुपैये किलो हेबाक चाहै छलै।

धुर जी। अहाँ किछु नहि बुझै छियैक। एहि सरकार मे देखै नहि छियैक जे खस्सी-पाठी, मनुक्खक दाम कम भेल जाइ छै आ आलू-पीआउजक बेसी...।



फर्ज

आब त' ई मनीआडर स' तुरंते पाइ पहुँचि जाइ छैक। एके-आध दिन मे।

हँ से की।

से बाबू कहां फोन तीन केलनि जे पाइ पहुंचलनि की नहि।

से की करताह ओ फोन हुनका त पाइ स' मतलब छलनि से भेटि गेलनि बात खतम।

मुदा हुनका सूचना त' देमक चाही जे समय स' पाइ देलकनि डाकपीन की नहि। अहीं फोन कके पुछि ने लिऔन।

नहि एकदम नहि। ई दायित्व हमर नहि छी।

हमर दायित्व छल पाइ पढ़ेबाक से हम पठा देलियनि। आब हुनकर दायित्व दनि हमरा सूचना देमक जे पहुंचल की नहि।

हे, बाप संगे लोक एना अरारि नहि करै अछि।

अरारि कहां ई त' हुनकर फर्जक बोध ने करा रहल छियनि। आबो नहि सिखता त' कहिया सिखता...।



युग बोध

बौआ आ बुच्ची दुनू सांझखन डेरा मे पढ़ बैसल रहै। बौआ लोअर नर्सरी मे छलै आ बुच्ची कलास पांच मे। बौआक इसकुल मे अंग्रेजी राइम्स याद कके आनै कहने छलै, से हम ओकरा बेर-बेर याद करा रहल छलियै।

थोड़े कालक बाद बौआक तामस उठलै सबटा किताब कॉपी कात मे फेकि पड़ि रहल। कहलक हमरा जाउ हम नहि पढ़ब। सब समय हमरे याद करबै छी अहां दीदीक याद नहि करबै छीयै। हम नहि पढ़ब।

हम कनि काल चुप भ' कहलियै बेटा दीदी त' सासुर चलि जेतै। पढ़ि लिखि कमा खटाक अहीं कें हमरा सबक खुआब पड़त तैं ने नीक स' पढ़बै छी।

बौआ कहैत अछि हमहुं टैक्सी पकड़ि सासुर चल जाएब...।



नियम पालन

महानगरक ओहि भीड़ भाड़ बला रस्ता पर ओ पुलिसक गाड़ी कखनो एहि साइड जाइत छलै त' कखनो ओहि साइड।

प्राइभेंट बस बस रहितै त' जरूर सार्जन पकड़िक फाइन क' दितै लाइसेंस ल' लितै। मुदा ओकरा तकर थोड़े डर छलै पुलिसक सात खून माफ ने होइत छैक। से ऑफिस जाइत बसमे जे आगां बैसल छल से बड़ी काल स' ओहि पुलिस भेनक देखैत छल आगां पाछां एहि साइड ओहि साइड करैत।

एक गोटा बाजल ई की? ई की क' रहल छैक ई।

दोसर गोटा बाजल रहय पुलिसक नियम पालन क' रहल अछि आर की। सब एक दोसराक मूह ताकि हंसय लागल रहय तखन...।



जाति

रौ जमुना। सार तू दुर्गा मंदिर पर किये चढ़लै रौ। तू देखै नै छहिन जे होम भ' रहल छै।

मालिक हम त' देखलियै जे हमरे बेरादरीक मंत्री जी लग जा दुर्गा जीक गोड़ लगलखिन तैं हुनका संगे हमहुं जा लग स' गोड़ लगलउ भगवतीक। ओना त' अहां सब जैये नै दै छी मंदिर पर।

जाए कोना देबउ। चमार कतउ मंदिर पर चढ़य?

आ मंत्री जी जे चढ़ला से। हुनको त' जाति हमरे बला छनि।

हुनकर जाति तोहर बला कोना भेलनि। एखन हुनकर जाति मंत्रीक जाति छियैन मंत्रीक...।



हरिश्चंद्र

ऑफिस कलीग मे किछु ने किछु बात सब दिन उठले रहैब छलै।चेंबरक अलावा हॉल मे तीस चालीस गो करीब स्टाफ बैसैत छलै आ हंसी मजाक घर अफम स' ल' क' नीक अधलाह सब तरहक गप्प होइत छलै।

ऑफिस प्राइवेट कंपनी छलै। ओही हॉल महक एकटा स्टाफ एम बी बीएस डाकटरक घरवला छलै। ओ नीक घर स' बिलौंग करैत छलै। सब तरहक गप्प मे ओ अपन पत्नी जे डॉक्टर छलै मकर चर्चा बेर बेर आनै छलै। ओ ऑफिसर छलै कंपनीमे आ सब संग देखितयारे सेहो छलै।

ओ अपन घरबालीक ईमानदारीक बखान बेर-बेर करैत छलै। जतेक फंड अस्पताल मे अबैत छलै जहिया स' एहिठाम ओ एलै ठीक ढंग स' होइ तकर ध्यान ओ रखैत छलै।

कहयेक बेर घूस घायक ऑफर ओकरा लग आयल छलै मुदा ओकर पत्नीक आंखि देखि सट्टक सीताराम भ' जाइत छलै ओ सब। कहय ऑफिसक ओ क्लींग जे हमर पत्नी प्राइवेट प्राइक्टिस नहि करैत अछि। ताहि लेल सरकारक तरफ स' निश्चय किछु एलाउंस भेटै छैक। मुदा ओ चाहितय त' बहुत कमा सकैत छल मुदा से हो नहि करैत अछि। एते तक जे जखन शुरू मे ओहि अस्पताल मे ज्वाइन केने छलै आ शनिदिन डयुटीक ट्रेन पगड़ि एत अबै छल त' अस्पतालक गाड़ी ठाढ़ रहै छलै ड्राइवर ल'क' मुदाओ ओ स' नहि आबिक रिक्सा पकड़ि स्टेशन अबैत छल आ ट्रेन पकड़िक एतय। ओकरा ऑफिस कलींग क' ओकर ईमानदारी पर गर्व भेलै।

आ कएक वर्षक बाद ओहि डॉक्टनीक दोसर ठाम बदली भ गेल छलै। ऑफिसक कलींग एकटा स्टाफ क' कहलकै तमर पत्नीक ट्रांस्फर भ' गेल अछि। एकटा फॉलटन ट्रांसपोर्टक बिल ककरो बुत हेतउ बनायल त' बनाबा दे। फरनीचर सिफ्टीगचार्जेज कके।

ऑफिस मे सबक अधलाह लगलै की नहि से नहि कहब। एक गोटा जे एते दिन स' ओहि डॉक्टर आ ओकर पतिक हरिश्चद्रं बुझै छल से मर्माहत भ' गेल छल तखन....



पछतावा

बौआ आइ डेरा पर बदमाशी केने रहै। पपाक मोन पिता गेल रहै लगा देलकै दू तीन थापड़ गाल पर। ओ कनैत कनैत आसमर्द क' देने रहै। आ पपाक ऑफिसक देरी होइत रहै, तुंरत बैग ल' चल आयल रहय ऑफिस।

डेरा पर सबक आइ नोत छलै।.. पहिले जाही डेरा मे रहैत छलै तकरा ओतय पूजा छलै आ ओतहे स' नोत आयल रहै। दुपहर मे सबो गोटा नोत खाय लेल बिदा नोत आयल रहै। दुपहर मे सबो गोटा नोट खाय लेल बिदा भेल त' बौआ फेर नोरे झोरे कानय लागय रहय। मम्मी आ दीदी ओकर बड़ बुझेलकै, किये कनै छै चल नोत खायले। मुदा बौआ कनिते रहल आ कहलकै एखन पपाक फोन लगा सब नोत खा लेतै पपा नइ खेतइ पपा नइ जेतै त' हमहुं नै जायब। मम्मी कतबो कहै पपा ऑफिस मे छै, सांझ मे एतै तखन नोत खा एतै मुदा बौआ नै मानलकै। ओ दुनू हाथ जोड़ि मम्मीक कहलकै मम्मी हम तोरा माफ करै छियौ पपाक फोन कर ने।बौआ तीन सालक छलै, हमरा माफ कर से नै ओ बुझै छलै, तैं ओ कहने रहै क्रम तोरा माफ करै छियौ।

जखन ई बात ऑफिस स' एला पर पपा सुनलकै त' अपना आप पर बड़ ग्लानि भेलै। जाहि बच्चाक हम मारलउ से हमर पपा छुटि जाएत नोत खायमे ताही लेल घर मे मम्मीक तंग कके राखि देने रहै आ तकरा हम तामसे पर सही मार लउ। से सोचि पपा ओकर बौआक कोरा उठा छाती मे साटि मोन मे नियारि लेलक कतबो धीया पुता क्षति करत ओकरा पर हाथ नहि उठायत ओ, बात स' बुझायत। नहि त' चॉकलेट बिस्कुट काथी ले छै?



बुद्धि

केक वला दोकान पर बाप बेटास दूनू जाकें ऑडर द देने रहय। अतुलक पांचम जन्म दिन छलै। दोकानदार कहलकै जे केक पर अतुल लिख देबै सैह ने?

ओ बच्चा बाजल नहि। केक मे अतुल चौधारी लिखक दिअ। हमरा पारा मे (मोहल्ला) चारिटा अतुल छैक। कोन अतुलक जन्म दिन छैक से लोक कोना बुझतै?

दोकानदार आ अतुलक पपा दुनू एक दोसराक मुंह देखय लागल रहय। दोकानदार एकटा नीक केक दोकान स' निकालिक अतुलक हाथ मे मंगनिये खाइ लेल देलकै आ कहलकै ठीक छैक बेटा अतुल चौधरीये लिखल रहत अहांक केक मे...।



समय समयक बात

आइ पत्नीक फटकार फेर हमरा सुन पड़ल रहए। कहलनि ओ की केलउ भरि जन्म कमाक। कमा कमाक जे पैकेट बापक देलउ ताही मे स' पांचो सभ हजारक रखने रहितउ त' आइ ई दशा नहि रहितै अपना सभक। बुद्ध नहितन। की केलउ अहां ओ बड़का कॉलेज मे पढ़िक। अहां स' त' नीक झंझारपुरक कॉलेज मे जे पढ़लक लिखलक अहां स' त' नीक झंझारपुर कॉलेज मे जे पढ़लक लिखलक अहां स' सात वर नीक। सबक अपन घर आंगन संसार परिवार छैक जे जत' अछि ततहि घर आंगन बना बनाक रहैत अछि। कोनो झूर झमेला नहि। आ अपने सब त' देखित छीयैक साल दू साल पर ठेला पर सब समान लादू आ ओकरा पाछां पाछां नटबा नहिनियां जकां डेरा लिअ आ फेर वैह बात।

हुनकर कहब कोनो बेजाए नहि छनि। मुदा हम तखन ओते बुझितो नहि छलियौ आ बुझितौ रहितियै त' ककरा स' लाथ करितियैक बा नुकबितियै। सब त' हमरे छला आ सभक त' हमहि छलियै ने। घरक उन्नति माने हम अपन उन्नति बुझैत छलउ।

पत्नी फेर तमसाइत बजली तैं ने उएह माय बाप भाइ कतिया देने अछि अपना सभक। जे गाम जाइ छी त' दस दिन रहैयो नै दैत अछि आ ने खाय दैत अछि अपना सब संगे।

से हम एखनो पैकेट देनाइ शुरू क' देबैत सबटा सामान्य भ' जेतइ। पत्नीक करजनी सन लाल आंखि देखि लगैत अछि कहैत अछि अपना स' उगरत तखन ने देबै...। आबो मनुकख बनू ने यौ...।



कल्चर

जे जतेक पैघ शहर नगर महानगर ततय ततेक सुख सुभीता आ ततेक गंडगोल होयब स्वभाविक अछि। आ से होइतो अछि। ककरो कोनो सभ्यता, संस्कृति आदि सं कोनो नहि मतलब रहैत छैक।

जाहि महानगर मे ओ रहैत अछि ततय देखलक जे ओकरा डेराक बगल मे एकटा सहोदर भाइ बहीन मे शारीरिक संबंध छैक। जकरा लेल ककरो कोनो मतलब नहि। धन सन लगै छै ओकरा माइयो बाप तक कें।

जखन ई कथा एक दिन ओ अपना ऑफिसक दोस्त लगमे बाजल तऽ ओ सब कहललै ई मॉडर्न युगक कल्चर छीयै कल्चर।

एतबा सुनितो ओ बमकि बठल की कल्चर कथीक कल्ची! किछु नहि, पशुताक कल्चर अपनेन जाइत अछि एखनुका मनुक्ख....!!



जाति

आइ अपन बाबा संगे अलगी हाट पर जाइत दस बरखक जाति रस्ता मे पुछलक बबा कहू त' एहि पृथ्वी पर कतेक जाति अछि?

बाबा सहज भावे उत्तर देलखिन कतेक जाति रहत दू जाति अछि दुनिया मे। नातिक आश्चर्य लगलै एतेक टास दुनियां आ ताहि मे मात्र दुम्ये टा जाति! नहि बाबाक नहि बुझल छनि। आ ओ फेर बाबाक कहलक बाबा अपना गामे मे देखै छियै ब्राह्मण सोति चमान दुसाध कियोट अमात धानुख डोम हलखोर आदि कतेक रास जाति छैक तखन कोना अहां एतेक सहत्र आ जल्दी स' कहि देलउ जे मात्र दू जाति छैक?

बाबा ओकर हंसय लागल रहय आ कहलनि बौआ ई जाति सब ठीके छलै पहिने, मुदा एखन ई जाति सब किछु नहि रहलै संसार मे।

एखन मात्र दू टा जाति बाचल छैक आ से जाबत ई दुनियां रहतै से ओ रहबे करत। आ से जाति छी गरीब आ धनीक। एकटा गरीबक जाति आ दोसर धनिकक जाति।

ओकर नाति बाबाक गप्प सुनि चुप्प छल मुदा ओ एहि अल्प बयस मे की बुझत एहि यथार्थ सत्य क.....!



चंदा

गामक महारूद्र यज्ञ मे एक महीनाक दरमाहा चंदा देमये पड़त विपिन बाबू।

एक महीनाक दरमाहा। तखन त' हम सभ भुखले रहब। दू सय एकाबन पांच सय एक जे लेबाक हो ल' लिअ। हम एक महीनाक दरमाहा कत' स' देब।

से कोना हैत। हे फल्लां देलखिन चिल्ला देलखिन।

हीरा बाबू त' रासक पुरा खर्चे गछि लेलखिन।

हम सब बात बुझलहुं। ओ सब सरकारी काज करैत छथि हम प्राइवेट। हुनका सभक बाइली पाइ स' घर संसार चलै छनि। दरमाहा ओहिनाक ओहिना त' कियै ने देताह आ करताह ओ सभ....!



कमाइ

तीस तारीक क' हम गाम जायब।

यज्ञ मे की

हं।

त' पांच हजार रूपैया लैयेक जायब।

किये की हेतै पांच हजार।

आ चंदा जे लागत।

एतेक चंदा। एतेक त' हमर दरमाहो नहि अछि।

से रहय बा नहि रहय, ओते त' लगबे करत। कहै जाइ छलै गामक मुखिया सरपंच जे एते स' कम कोनो कमौआ स' नहि लेबै।

किएक ने कहैत। ओकरे सभ सनक दुनमबरी कमाई घोटालाक रहय तखन ने...। कहलकै.... जे....!!



संस्कार एक

लोअर नर्सरीक छुट्टी भेल रहै। एकटा बच्चा क्लास स' निकलि अपन माय लग आयल आ कहलकै मम्मी मम्मी हमरा एकटा बच्चा दुनू गाल पर मारलक हे।

मम्मी कहलकै मेम क' नहि कहलहीन। बच्चा कहलकै नहि मेम नहि छलै तखन। आ मासी? ओकरे कहितिही। ओहो नहि छलै ममा।

तखन माय कहलकै त' तु नहि मारलें तुहू मारितें ओकरा। बच्चा कहलकै ओ हमरा स' पैघ छलै लोक पैघक मारै छै? ओ दादा ने भेलै, दादाक नहि ने मारै छै लोक।

माय ओकर चुप भ' गेल रहय तखन....!



छीक

भगवान सबक गोड़ लागि डेरा स' निकलिते छीक देने रहै कियो। आपस भ' चौकी पर कनेकाल बैसि एक गिलास पानि देलखिन पत्नी से पी फेर विदा भेल बौआक इसकुल। नर्सरी बी मे कएक दिन पहिने एडमिशन टेस्ट भेल रहै आतकरे आइ रिजल्ट छलै।

पता नै की हेतै की नइ। ओना अबैत छलै सबटा मोटा मोटी बौआक मुदा टेस्टक समय जखन मम्मी पपाक गेटे पर ठाढ़ क' ओकरा दू तल्ला पर लके चल गेलै त' ओ बड़ कानल रहे तखन। आ क्लास रूमस रहि रहिक पड़ा जाइ बंरडा पर आ हिचुकि हिचुकि कानय। फेर मेम अबै आ गट्टा पकड़िक ल'क' चल जाइ। जखन सब विद्यार्थी जुटलै त' परीक्षा भेलै। आ जखन बौआक गेट पर द' गेलैत' हाथ मे बोर्ड पेन्सिल बक्स एडमिट कार्ड आ एक हाथे माथा स' निकालल टोपी धेने हि चुकैत रहै ओ।

मम्मी हांइ हांइक कोरा उठा छाती लगा लेने रहै आ पपा पुछने रहै बेटा की सब पुछलक? बौआ कहलकै जे हमरा माथा स' टोपी निकालि देलक आ पुछलक ई कोन कलर छियै। हम कहलियै रेड त' मेम कहै गुड। आ आर की सब पुछलकौ मम्मी कहलकै। आर पुछलक ए बीसी हम एबीसी वन दू सबटा सुना देलियै। मुदा मम्मी हम नइ एबौ एहि पगला इसकुल। हमरा घिसियाक ल' जाइत छल बंरडज्ञ पर स। मायक मोन छोट भ' गेल रहै आ पपा हंस लागल रहै।

से रिजल्ट नोटिस बोर्ड मे टंगा गेल छलै। ओ देखिक मोन छोट भ' गेल छलै रौल न. 231 नइ छलै सलेक्सन लिस्ट मे। आ रहैत कोना? ओकरा त' माथा मे घुरिआइत छलै डेरा स' अबैकाल मे कियो छीक देने रहै से। मोन त' तखन मानि गेल रहै। बेर-बेर देखय 231 रौल नइ छलै ओहि मे । हं 233 छलै लेकिन 231 नइ।

शुरू स' कयक बेर देखलक ओकर पपा मुदा नइ भेटलै। जेबी स' एडमिट कार्ड निकालि फेर एक बेर रौल न. देखलक ओ। रौल न. 213 रहै । ओ पुेर रिजल्ट सीट पर नजरि खिरेलक 213 ओहि मे सेहो छलै। ओ आब प्रसन्न भ' डेरा मे फोन करैत अछि जे बौआ पास क' गेल। मुदा अपना पर ग्लानि होइत छैक पुरना पाखंड क' मानिते छी हमरा सब एहि युग मे सेहो। तै ने नाइ ओ बात मोन मे राखि नरभसा गेलौ.....।



बोध

ऑफिस लेल बैग टांगि बिदा भेल ओ। मेन गेट स' निकालि गेटक छिटकिन्नी लग तीन चारि डेग आगा बढ़ल कि पाछा स' गेट खोलि तीन सालक प्रियांशु दौड़िक आबि पाछे स' बैग पकड़ि धिचलक। कहलकै पपा हमरा चॉकलेट कीनि दिअ।

पपा कोरा मे उठा कहलकै नइ बेटा चाकलेट नइ खाइ। त' कैडबेरिये कीनि दिय। नइ बाबू ई सब खेला स' दांत मे पिल्लू लागि जाइत छैक।

त' पांच टा चुम्मा लिय हमरा तखने जाए देब अहांक ऑफिस। पपा ओकरा करेज मे साटि हंसय लागल रहय। आ दुनू गाल पर दू दू टाक चुम्मा ल' कहलकै जाउ बेटा आब चलि जाउ। हमरा अबेर होइत अछि। प्रियांशु कहने रहै नइ पपा पांच टा चुम्मा कहां भेल। एकटा लोल पर लियने। पपा लोनो पर एकटा चुम्मा लेलकै। आब ओ अपने कोरा स' उतरि गेटक भीतर टाटा बाइ बाइ करैत आबि गेल रहय....!



ज्ञान

गिरहत बाउ (बाबू) त' हमर मरि गेलै।

से की। किछु पाइ कौड़ी चाहियौ।

नहि गिरहत। थोड़े आमक ठारि जारनिलेल दितियै।

ठारि की करमे। तू सबत' मूह मे ऊक लगा धार मे भसिया दै छहिन।

नहि बाउ कहने रहय हमरा हम जे मरी त' गिरहत स' ठारि मांगी हमरा डाहिहै धार मे फेकिहे नहि। फेकला स' वातावरण विषाक्त आ खराप होइत छै।

ओ बाउ तोहर बाहर ने रहलउ सब दिन तै एहेन ज्ञान भेलै। जो ने दम्हना परक गाछ स' काटि लिहे जतेक लगतउ जारनि ततेक।

संस्कार दू

हम आब गाम चलि जैब। दऽ आउ गऽ हमरा सभकें गाम कें।

कियै की भेल? ई महानगर सन सुख सुविधरा कतय भेटत गाम मे?

की सुख, कथीक सुख? एकटा भाड़ाक घर आ बरंडा मे औनाइत बंद पंछी जकां हम आ धीया पुता। अहांक कोन? भोरे बैग उठबै छी आ बिदा होइ छी ऑफिस। गर्मी मे गर्मी सं ठंडा मे ठंडा सं आउल बाउल भऽ जाइत अछि बच्चा सब। एसबेस्टसक घर केहन होइछै नै बुझै छियै अहां?

तऽ एकटा दोसरे घर लऽ लैत छी।

घर लेला सं की हैत। गामक संस्कार विचार, वातावरण कतय सं आनब एतऽ।.....बौआ कहैत छल काल्हि मम्मी गइ, बाड़ी बाली (मकान मलिकिनी) चाचीकें देखलियै जमाए लग सुतिक गप्प करैत। अपन नानी सं तऽ पप्पा सऽ गप्पो नै करैत छैक......।



धक्का

महानगरक प्रतिष्ठित इस्कुल सेंट जेम्सक पांच कलास मे पढ़ैत छलै ओकर बेटा। क्रिश्चयन मैनेजमेंट छलै आ पहिल नामांकन मे क्रिश्चयनेक प्राथमिकता रहै छलै हे। ओना आनो वर्गक प्रतिभावन छात्रक कमी नहि छलै ओतय।

इस्कुलक प्रशासन पढ़ाई लिखाइ आ नियम कानूनक लेल सेहो प्रख्यात छलै।

एक दिन ओकरा डायरी मे नोट लिख क' एलै जे काल्हि एकटा डेढ़ बजेक बदला साढ़े तीन बजे छुट्टी हेतैक से आबिक गारजन कलक्ट करय बच्चाक। दू घंटा पनिसमेंट भेटल रहै ओकरा। इस्कुल बस समय स' छुट्टी भेला पर डेढ़ बजे चल जेतै तैं गारजन आबि बच्चाक ल' जाइक लेल।

बच्चाक माए जा ओकरा साढ़े तीन बजे अनलकै। जखन पपा ओकर ऑफिस स' डेरा आयल रहैत' पुछलकै की कारणे पनिसमेंट देलकउ?

बच्चा कहलकै जे तीन चारि दिन पहिने सर कहलकै जे से दिन जे क्रिश्चयन सबक ने एकटा प्रे करायल गेल रहै ताही जे सब नय भाग लेने रहय से सब आगा आ। आ हम गेलउ त' डायरी ल' पनिसमेंट द' देलक।

पापा कहलकै तोरा आग गेनाइ जरूरी छलौ तु किए गेलै जमे हम प्रार्थना मे भाग नहि खेलइ। बच्चा कहने रहै नै पापा हम प्रार्थना मे भाग नहि लेने छलौं तैं हम आगा गेलौ। हम झूठ नहि बजाय चाहैत छलौं।

पापा ओकर बात सुनि चुप्प भ' गेल छल आ लजा सेहो गेल...।



चिंतन

हे कनि ऋणो पैंच कके कोनो छोटो छीन शहरमे एकटा कनियो टाक घर बान्हैक जोगार करू ने।

गाम सन वातावरण कत' पायब ओत' यै। पाल्युशन स' भरल ककरो स' ककरो कोनो मतलब नहि। सब अपने लए बेहाल।

से जे रहय। धीया पुताक पढ़ाइ लिखाइ डॉक्टर ब वैद्य आदिक सुविधा त' रहत ने ओतय। आ ई चीज जतय छैक ततय मनुकखक आगा बढ़ैत समय नहि लगैत छैक से बुझल अछि ने....अहांक ....!



संतुष्टि

पपा ई जे अहां पन्द्रह सालक बाद जे फेर सं पढ' लगलउ आ एम ए पास केलउ ओहि स' फाइदा पपा। की होयत एहि स' अहांक बेकारे ने एतेक समय आ पाइ गेल।

एहि स' बेटा आर किछु हुअए आ नहि हुअए। मोनक' संतुष्टि त' भेल हे ने। तोरा बुझल नहि छह जे पढ़ै आ सीखैक समय सब दिने रहैत छैक। ई त' पन्द्रहे साल भेलैहे पचासो होइतै तैसो बाबू पढ़क आ बढ़क चाही......।



कर्त्तव्यनिष्ठा

बॉसक चेंबर मे हम आ बॉस दुनू गोटा बैसिक कोनो काज करैत छलहुं। थोड़ेक कालक बाद बॉसक मोबाइल मे रिंग भेलै। बॉस टेबुल परस' मोबाइल उठा नंबर देखि काटि देलकै। मोबाइल कात मे राखि हमरा सुनबैत कहैत अछि काम करने दो। घर से फोन था।

हमरा अपन बॉसक कर्त्तव्यनिष्ठा पर गर्व भेल। डेरा स' पत्नी फोन केने छलै तकरा संग गप्प नहि क' काजक एतेक प्राथमिकता देलकै। हेबाके चाही मुदा एहन कतेक लोक अछि एखन हम सोच लागल रही।

तुंरते ओतुका हमर काज भ' गेला पर हम अपन टेबुल पर आबि गेल रही। बॉस काज करिते रहल। अपन जगह पर आबि देखलहुं जे हमर कलम बॉसेक टेबुल पर रहि गेल। हम दोसरे क्षण चेंबर जा कलम आनय गेलहुं त' देखैत छी बॉस टेबुलक लैंडलाइन फोन स' नंबर मिला पत्नी स' गप्प केने चल जाइत छलै।



यथार्थक बोध

माहुर खेलाक बाद लोह हांइ हांइक अस्पताल मे भर्ती करा देलकै कनियाक। ओत डॉक्टर सब की कहां खोआ आ पाइप द' रद्द करेलकै आ पानि चढ़ेनाइ शुरू क' देलकै। होश दू दिनका बाद आयल रहै ओकरा।

जखन होश एलै त' डॉक्टर पुछने रहै जे तु किये जहर खेले। ओ किछु नहि बाजल रहय। जखन जखन डॉक्टर आबय देखय तखन तखन इएह प्रश्न क' दैत छलै। एहि बेर ओ स्पष्ट कहि देलकै जे हमरा सासु ससुर टॉर्चर करैत अछि।

डॉक्टरक पता छलै जे एकटा सात सालक एकटा बच्च सेहो छैक। ओ कहलकै तोरा तोहर सासु ससुर एतेक टॉर्चर करैत छउ, तोरा नहि रहने ओहि बच्चाक लोक कतेक टॉर्चर करतै से तोरा पता छउ?

आ सु सुनिओ कनिया भरि पांजक ओहि लेडिज डॉक्टरक पकड़ि क' बपहारि तोड़िक कानय लागल रहै। लगलै जे बात त' यथार्त कहैत अछि ई.....!!



प्रेम

गोहाटी मे रेलवेक कोनो काज लेल टेंडर निकलल छलै। कत ने कत' स' संबंधित व्यक्तिक कंपनी आदि सब टेंडर भरने छलै।

नियत समय स' जहिया टेंडर खोलक छलै तहिया एकटा विशाल घर मे जी एम जी, डी जी एम एकाउंटेंट आदि सब बैसल छलै। आगा मे कुर्सी पर टेंडर जे फाइल केने रहय से बस बैसल छल।

बक्सा स' टेंडरक लिफाफ निकालल गेलै आ कैंची स' एक दू टाक खोलनाइ शुरू भेलै कि चारि पांच टा लोकल लोक एलै जे देखै मे गुडा सन लगैत छलै। आबिते ओ गारि दैत कहलकै जे आसामी बाजि सकै छै से एत रह; जे नहि से बाहर जो। आ तकरा बाद कालर पकड़ि पकड़ि क' नन आसामी लोक कें निकासि देलकै।

जी एम डी जी एम सब तखन आर लिखा पढ़ी मे व्यस्त भ' गेल रहै जेना ओ किछु देखिये नहि रहल हो।

बहुत गोटाक भेल रहै जे एकर सभक मातृभाषाक प्रेम छैक की? मुदा नहि लोकल जगह मे लोकल लोके काज करत कियो आनठामक लोक नहि से प्रेम छलै ओकरा सभक .....।



लाज

ओ बाहर स' गाम आयल रहय असगरे। बच्चा आ कनियां सब बाहरे छथिन। दू एक दिनक काज रहै से क' चलि जाएत फेर।

गाम पर माय बाबू भैया भौजी सब छलखिन। मुदा एकरा भोजन में चूड़ा आ नोन फुसा क' खाय पड़ल रहै। किश्से किशे पुछबो करै की यौ भोजन तोजनक आग्रह भेलै हे की नहि! नहियो भेला पर कहय हं हं भोजन घेरे मे भेलै हे। साभी आश्रम संग सबटा जमीन जजात साझिये छलै तइयो एकरा सभक बिना किछु देने कतिया देने रहै।

लोक समाजो सब ओकरे होइत छैक जकरा लग लोक सब दिन बा बेसी काल रहैत छैक। परोक्ष मे एकरा लग उचित बात बजाए ओ सब मुदा सामने मे किछु नहि।

से चूड़ा फुला आ नोन दखाक' पड़ल रहय दुआरि पर कि दु तीन टा बुच्ची सब चंगेरा मे किछु बेन लके एलै आ ओकरा माएक हाथक ओहि मे स' निकालिक देलकै।

दुआरि पर ओकरा पड़ल देखि ओ बुच्ची सब माए स' पुछै छैक आर कियो छथिन एहि अंगना मे?

ओकर माए कहलकै नहि आर कियो नहि छैक। मुदा दुआरि पर पड़ल ओकरा लाज भेल रहै जे बच्चों सबकें बुझल छैक जे ई घरो मे बारल अछि...।



सेवा

गाड़ीक स्लीपर कलास मे हमर बर्थ तीन टा जे एक संगे कुप्पे मे रहैत छैक ताहि मे उपरका छल। साइड लोअर आ साइड ऊपर एकटा अधवयसु पति पत्नीक छलै।

पुरुषक उमर करीब पचपन छपनक करीब छल हेतैक आ पत्नीक करीब वैह पचास बाबन आर की सैह छलै। हं पति एक हारा शरीरक लोक गौर वर्ण सभ्य सन लगैत पत्नी खूब मोटायलि हंस हसं करैत आ साइड लोअरक सीट पर चित भेल पड़ल। पति महोदय सब समान उपरका सीट पर राखि पत्नीक पयर लग बैसल रहय आ रहि रहिक ओकर छाबा बिना ककरो दिस तकने दबबैत छलै। ओकर पायरक आंगुर क' एक एक कके फोरैत छल। मौगीक अस्वास बढ़ै छलै आ आराम स' पड़ल करोट फेर फेर कखनो ई पयर त' कखनो ओ पयर जतबै आ आंगुर फोड़बैत छल।

हमर उपरका सीट छल, ओहि पर स' आराम स' सबटा देखि रहल छलहु। मुदा हमर देहक रोइयां ठाढ़ भ' गेल छल। मौगी स' बेसी तामस ओहि मनसा पर चढ़ल छल। सार क' हुअए जे नीचा उतरिक दू थापड़ दूनू कानक जड़ि मे द' आबी। तोरा सार जंतबा कें छउ से घर मे जे करै करिते। एहि भरल लोक मे लोको लाज नहि होइत छउ की हमरा मोन मे ई बात आयल छल।

मुदा मनसा बिना केम्हरौ तकने मात्र ध्यान खिड़की बाहर नजरि देने बौहक सेवा केने चल जाइत छल। राति भरि हमरा निन्न नहि भेल। जखन नहियो ओ जांतय त' ओकर पयर लग बैसल राति बिता देलक।

हमरा रहि रहिक माथक नस टना जाइत छल। हम ओहि मनसा दिस एकटक स' लगातार कतेको खन कतेको बेर तकितो एहि जाइ जे त' सार ताकत लाज हेतै आ ओकरा जंतनाइ छोड़त मुदा नहि, ओ बिनाकेम्हरो तकने सेवा केने चल जाइत छल।

हमरा नहि लगैत अछि जे ई मनसा जतेक तल्लीनताक सड़ बहुक सेवा करैत अछि ततेक कहियो माथ बापकें केने होयत....।



मनुक्ख

पति कहलकै हे धरमे जे आंगि तागि लागि जाए बा बाढ़िए आबी जाइ त' अटैची मे हमर रचना सब अछि तकरा ल' क' पड़ायब। नहि त' हमर सब रचना नष्ट भ' जाएत।

पत्नी कहलकै छि छि छि। अंए यौ,हमरा सब जरि जाउ त जरि जाउ भसिया जाउ त' भसिया जाउ। अहांक रचना टा नहि जरय भसिया सैह ने। आ आलमीरा मे जे एम ए , बी

ए क ऑरिजनल सार्टीफिकेट अछि, जमीन जथाक जे कागत पत्तर सब अछि तकरो बहार करब नहि सुझल अहांक। कोन मनुक्ख छी अहां।

सुआइत कहै छैक लोक जे लेखकक सम्पति ओकर रचने होइत छै...।



दू नेती

हरखू कें फोन दिऔ।

ओ त' नहि छथिन बाबू।

कतय गेलै हे।

बौआक इसकुल देम लेल।

आबय त' कहबै ओकरा फोन करै लेल।

की बात छियनि से कहथु ने हमरा।

नहि, ओकरे स' काज अछि। अबिते मातर फोन करय ओ से कहबै ओकरा।

किए पुतहु क' लोक गप्प नहि कहि सकै छैक की।

नहि। एकदम्म नहि।

से किए?

किए की घर उजारे मे सब स' बेसी ओकरे हाथ रहै छैक।

से पुतहुओक बेटी जकां अधोरथिन त' किए ककरो घर फुटतैन कहियो...!!



कंट्रोल

हर रिभियाक इशारा देलियै आ ओ एम्हर ओम्हर ताकि हमरा लग आबि गेल छल। कान लग ओ मूंह सटाक कहलक तू बढ़ कलम हम अबैत छियौ। एखन माय बाबू दुनू गोटा आंगने मे छथि। कनि देरियो हेतै तइयो हम एबे करबउ, तु खोपड़िक मचान पर रहि है।

हम ओत' स' की कहां सोचैत खेतक आरि आ एक पेरिया रस्ता धेने चल गेल रही कलम मे। हम खोपड़ी मे पहुंचलहुं त' कियो कतउ नहि छल। हम ओहि पर जाक बैसि रहलहुं। आमक मास अनेरे बड़ नीक लगैत छैक से हम गाछ सभक निहार लागल रही।

बड़ी कालक बाद रिभिया आयल। मचान पर चढ़ि रबड़ बला पेंटक फलका ओहि मे स' अपना खाय लेल जे माय लीची देने छलै से ओहि मे स' निकालि दू टा हमर देलक आ दू टा अपनो खेलक। आ तकरा बाद हमरा सब नीचा उतारि सतधराक धुचि कोड़ल जगह लग आबि दुनू गोटा दुनू भाग बैसि सतघरा खेलाय लागल रही।

से ताहि दिन मे जानथि भगवान हम किछु नहि बुझैत रहि। जखन ओ गुलाब कली

स' फुल भ' फूटल त' कियो आबि ओकरा तोड़ि क' चलि गेल। हम आब जखन ओ समय आ बात सब मोन पाड़ै छी त' अपना आपक' कंट्रोल नहि क पबैत छी। एखनो हम सपना मे ओकरे देखैत छी। पता नहि ओ हमरा देखैत अछि की नहि....।



प्राइभेट कंपनी

ओकर बॉस कालिखन सांझ मे बहुत रास अपन घरक व्यक्ति गत कागज पत्तर ऑफिसक मशीन मे फोटो कॉपी केरे लेल देने रहै। ओ बेचारा ओरा करैत-करैत प्राय: पौने सात बजे सबटा के बॉसक सुनझा डेरा गेल रहय।

मोन खौंझा गेल रहै। छ: बजे छुट्टी भेल रहै, सब चल गेल रहै। मात्र ओ आ बॉस रहि गेल रहय ओते काल। बॉसक त' काज छलै अपन तैं छल, एकरा की? किछु नहि दू टका चायोक लेल नहि हेतै।

बॉस तेलीयाह भेने इयाह सब ने होइत छैक। खैर जे से।

प्राप्त भेने दोसर दिन जखन ई फेर ऑफिस आयल त' बॉस बजाक चालीस साल पुरान बहुत एडमिट कार्ड देलकै जे चारि कॉपी क' दैक लेल। ओ लेलक हाथ मे त' देखलक ओहि मे स' फोटो ओदारि लेने छलै। ई कहलकै सर फोटो कियै ओदारि देलियै?

बॉस स्वच्छ भ' कहैतज छैक अरे छोड़ो। एडमिट कार्ड मे फोटो होता है क्या?

ई चुप्प भ' गेल रहय तखन। भेल रहै एहि बॉसक चेंबर मे एक चमेटा मारि कानक जड़िये बॉस कें जे हमरे सिखबै छैं। एडमिट कार्ड मे फोटो नहि होइत छैंक की? मुदा ओ एना किछु नहि केने छल। ओकर फोटो कॉपी क' ओकरा द' देलकै आ सोच लागल रहय पता नहि के एकरा बॉस बने लकै। प्राइवेट कंपनी कहलकै किए....!!



चिंता

लोअर नर्सरीक बच्चा इस्कुल स' जखन एलै त' मायके कहलकै मम्मी मम्मी हमरा सब इसकुल मे पड़ै काल मे जखन टीचर नहि रहैत छैक त' मूड़ी झुका कें पायल कें अथि देख छीयै घघराक नीचा।

मायक मोन चेहा गेल। कहलकै कथि रौ कथि देखै छहिन। बच्चा कहलकै अछि गइ, कछिया उजरा कछिया। माय कहलकै गंदा बात। ई गंदा बात भेलै ई नहि करक चाही। आ फेर पुछैत छैक ओ की देखै छहिन। ओ देखिक की होइत छइ।

बच्चा कहने रहै नीक लगैए गै। देखैत नीक लगैए। मायक चिंता बढ़ि गेल रहै.....।



भार

ज हम जनिहुं जे तू एहने हेमे बिजबा त' हम तोरा पढ़ैबतहु, मुर्खे बनाक रखितहुं। तखन बुझितहिन तू।

हम की बुझितियै गइ बुढ़िया। बुझितहिन तू सब जे अपन बहु बेटी सभक खर्चा जुमैबितिऔ तोरा सब स'। एखन त' कम स कम से भार नहि ने छउ तोरा सभक!



प्रगति दिश

महानगरक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय स' ओ चालीस साल पहिने ग्रेजुएशन पास केने छल। तकरा बाद नोकरी चाकरी मे लागि गेल रहय ओ। एहि बरख नोकरी स' रिटायरो हैत। तखन ओकरा हठात् मोन पड़लै जे ऑरिजनल सार्टीफिकेट निकालल जाए।

गेल विश्वविद्यालय स' फार्म उठा ओकरा भरि क' कॉलेज मे जमा क' देलकै फार्वाडक लेल। फेर ओतय स' फॉर्वाड करा विश्वविद्यालय जा चलान ल' पाइ जमा क' देलकै। अरजेंटक लेल पाइ जमा केलक। पन्द्रह दिनक बाद बजेलकै सार्टीफिकेट लेल।

जखन पन्द्रह दिनक बाद गल ओ आनय त' सार्टीफिकेट नहि भेटलै ऑरिजनल। डूपलीकेट ल' घर घुरल रहय ओ। सार्टीफिकेट सिरियल नम्बर छलै 420 जे आर नीक नहि लगै ओकरा। आ सामनेहे मे लिखल रहै डुपलीकेट। चालीस साल पुरान सार्टीफिकेट गोदाम मे तकलो पर नहि भेटल रहै विश्वविद्यालय कर्मचारी कें तैं डुपलीकेट बना एकरा द' देने छलै।

एक दिन ई आर गेल रहय ओतय आ कहने रहै जे पाइ कौड़ी खर्च हेतै से हम देबउ हमरा ऑरिजनल सार्टिफिकेल तकनाक दे।

कर्मचारी बमकि गेल रहै की कहले हमरा घूस देम! एखन अंदर करबा देबौ। बजेबौ पुलिसकें। ओ उनटे पयरे घुरि गेल रहय जे हमर देश प्रगतिक दिश अग्रसर भ' गेल अछि आब...।



फारमूला

ओ एकटा बाबा (साधु) लग जाइत अबैत छल। जखन जे दिक्कत बा कष्ट होइत छलै ओत' जा हुनका कहैत छलनि आ ओ तकर समाधान बता दैत छलखिन। बेचारा कें मोन हल्लुक भ' जाइत छलै।

तैं कनियो किछु भेला पर ओ दौड़ैत छल ओतय। एहि खेप ओ बहुत दिन पर गेल छल। बेसी परेशान परेशान लगैत छल। देह दशा दुबर भ' गेल छलै, माथक नभ टनायल सन छलै, आंखि आ गाल धसल सन। ठोर सुखायल आ फुफड़ी पड़ल छलै।

बाबा देखिते ओकरा कहलखिन की भेलौ? देह दशा एहेन किये एना लगैत छउ। ओ बेचारा कानय लागल आ सबटा परेशानीक कारण कहलकनि। घरक परेशानी आश्रमक परेशानी जे सब ठाम लोक बाजियो नहि सकै अछि। पत्नीक झाड़ पर झाड़ पड़ैत रहै। बेचारा नीक लोक जे बाजय सत्य बाजय। पत्नी स' प्रेम करैत छल। महीना उठा ओकरे हाथ मे छैत छलै।

सबटा गप्प जे जेना होइ भरि दिन सत्य-सत्य बाजि दैत छल पत्नी लग।

ओकरा आशा छलै जे बाबा कोनो यंत्र देथिन बा कोनो शांतिक लेल शांति जल-जल जे छिटला पर घरमे रखला पर सब ठीक भ' जेतइ।

मुदा बाबा किछु नहि देलखिन। मात्र अबै काल मे एते कहने रहथिन जे कहै छियौ तकरा ध्यान स' सुन आ एकरा अनुसारे चलिहे। सब छीक भ' जेतउ कहियो परिवारिक एकरा अनुसारे चलिहे। सब ठीक भ' जेतउ कहियो पारिवारिक कोनो कलह आ झंझट नहि एतउ। तू करिहे एतबे जे सारा दिन जे तू बाहर मे करै छै से बहु लग नहि बजिहे। तू बाहर मे की खेले की केले एते तक जे तू कुकर्मे कर बाहर मे जे फुराउ से कर बाहर मे धरि कोनो गप्प छोटो गप्प डेरा मे आबिक नहि बाज जे आइ ई भेलै, एना भेलै।

आ तकरा बाद ओ इयैह फरमूला अपनेलक। फेर कहियो अशांति नहि भेलै ओकरा पत्नीक संगे....।



पिछड़ल राज्य

बीए मे फस्ट कलास आ साढ़े पैंसठि प्रतिशत मार्क स' पास भेल रहय ओ। किछु आगा पड़क जोगार स' ओ गाम स' महानगर मे आयल रहय।

नाइट कॉलेज मे नाम लिखा एकटा प्राइवेट फार्म मे नोकरीक जोगार मे गेल रहय। डायरेक्टर आमना सामनी बैसल रहय ओ। डायरेक्टर ओकर बायोडाटा देख रहल छलै। आब मार्क शीट देखलकै। जन्म कुंडली सन नाम चाकर मार्क सीट आ तकर नीचां मे लिखल मूल्य बीस रूपये।

डायरेक्टर कहलकै आपके विश्वविद्यालय मे यह बीस रूपया मे मिलता है क्या? एकर मोन छोट भ' गेल रहै आ अपन यूजीसी एफजिएटेड विश्वविद्यालय मादे सोचय लागल रहय, सुआइत हमरा सभक राज्यकें लोक पिछड़ल राज्य कहैत अछि....।



कबाछु

पति कहलकै एखनो यदि मिसर (बहनोइ) क' बहिन असगर दोसगर मे भेटि जाथि हमरा त' हम छन्ने मे गंडगोल पका देबै।

पत्नी कहलकै से यदि हमरा भाइ कें अहांक बहिन भेटि जेथिन त' ओ की छोड़ि देतै।

एतबा सुनिते पतिक आंखि लाल भ' गेल छलै आ एक थापड़ द' देलकै पत्नीक गाल पर.....।



भंडाफोर

ओ कहबी नहि छैक जे बूढ़ भेने लोक दूरि जाइत अछि, सैह बात। ओना गाम बाबा संगे से बात नहि छलनि।बूढ़ त' छलाहे बेचारा मुदा लोक कें लगै जे थोड़े ई नाटको करै छथि।

जखन कियो आबनि दलान पर आ कहनि गोड़ लगै छी बाबा चिन्हलउ हमरा? त' कहि उठथिन परिचय देब तखन ने चिन्हब। माने ओ जेना कम देखैत होथि आ आगुंतक अपन परिचय दैत छल तखन ओ चिन्हैत छलखिन।

एहिना एकदिन ईटाक भट्टाक मालिक पाइक तगेदा मे हिनका ओतय आयल आ कहलकनि बबा प्रणाम। चिन्हलउ हमरा। त' कहलखिन नहि त'। हम सियाराम ईंटा भट्ठा बला। एतबे कहिते गाम बाबा बमकि उठलाह। ऐं हौ हमरा सबटा दू नम्बर क ईंटा द' देलह। तोरा ठकै लेल हमहि भेटलियह की। आ मार-मार क' उठलाह बाबा ओकरा।

सियाराम कहलनि बाबा हम सात फीटक जवान छी से अहां सामने मे ठाढ़ छलौं बिना परिचयक अहां चिन्हबे नहि केलौ आ सात इंचक ईटा छैहो नहि से अहां एक नम्बर आ दू नम्बर चिन्ह गेलियै।......!!



प्रतिष्ठाक रक्षा

गाम फोन तोन किए नै करैत छियैक। बुझितियैक ने जे मां बाबू केना छथिन।

हम नहि करबै फोन-तोन। अहांक यदि एतेक चिंता अछि सासु ससुरक त' अही क' लेल करू।

एना तमसाइत किए छियै।

तमसेबै नहि। ऐं यै सब दिन पाइ दैते एलियनि आ की ने की भेलनि मामा बाला खेत बेचि लेलनि ओ सब। पुछबो नहि केलथि हमरा।

से की करबै। हुनके ने सम्पति गेलनि।

सम्पति ने हुनकर गेलनि। आ हुनकर आब कोना आब त' हमरे सभक ने भेल ओ जथा जमीन। इज्जतो प्रतिष्ठा त' हमरे गेल। लोक की कहने हेतै, फल्ला कें बाप जमीन बेचलकै हें....।



भालोबासा

चारि सालक बच्चा कं माए डेन पकड़ने इसकुल जाइ लेल बस जतय ठाढ़ रहै ततय स' जाइत छलै। थोड़े दूर गेला पर चारि टा बतक भेटलै, रस्ताक कात मे। ओहि मे स' एकटा बत्तकक उपर एकटा बत्तक चढ़ि गेलै से देखि ओ बच्चा मायकें पाछां खीचैत ओतय ठाढ़ भ' देख लागल। माय डेन पकड़ि जोड़ स' धीचैत कहलकै चल। बच्चा कहलकै अरे मम्मी देख देख ने रे बत्तक भालोबासा (प्रेम) करछे। मायक लाज भेलै कारण ओतय आर लोकक आबाजाही छलै से ई बात सुनि लेने छलै। माय ओकरा टनने चल गेल। फाका मे पुछलकैक बौआ तू की जान गेलदिन जे ओ भालोबास करै छलै। बच्चा कहलकै तू देखालहिन नहि जे ओकरा उपर मे चढ़ि कें ओकर मूड मे चुम्मा लैत रहै......!!



भमरा

बौआक इसकुल ल' गेनाइ आ ल' अननाइक काज हमर छल। भोरका इसकुल। सकाले उठिते मातर हड़बड़ी स' होइत छल दिनक शुरूआत।

कहियो समय रहला स' चाह पी क' द' अबैत छलियै आ कहियो समय नहि रहला स' ओत स' एलाक बाद पीबैत छलहुं चाह ताह।

मोन त' बेजाय नहि लागय हमरो। रंग बिरंग क माल जे देखी ओतय। बेसी भाग बच्चा सभक माथे छोड़ैक लेल आ आनै तेल अबैत छलै। रंग बिरंगक साइज रूप सौन्दर्य आ भेष भूषा मे सजल धजल कोंढ़ क' उन्टाब बला। भीड़ भाड़ एहेन जे पहिलुका मकरक मेला सन पायर रखैक जगह नहि। धक्कम धुक्का ज नहियो होइत छलै त' आंखिक उठा पटक देखा देखी स' के रोकि लेत अपनाक। इएह सब फायदा होइत छैक शहर महानगर क इसकुल मे। गाम मे ई सब नहि ने भेटत।

एक दिन हम कतउ गेल रही कि पत्नीये क' बौआक इसकुल द' आब आ ल' आब पड़ल रहनि। आ तकरा बाद स' इसकुल हमरा गेनाइ एनाइ छोड़ा देने छलीह। हम पुछबो केने रहियौनि जे हमरा जाय ने दिअ। ओ कहने रहथि नहि हम अपने जाएब। अहां सब सनक लोक ओतय नहि जाय सैह नीक। पुरुष जाति भमरा होइत छैक से नहि बुझैत छियै अहां....।



रहस्य

शीला मेडिकल कॉलेजक छात्रा छल। हॉस्टल मे रहिक' डाक्टरी पढ़ैत छल। देखै मे अपूर्व सुंदरी परीसन लगैत छल अनमन। पढ़ै लिखै मे ओतेक तेज नहि छल तथापि नम्बर ओकरे बेसी अबैत छलैक।

मेडिकल मे नामो मे लिखायल छलै से मैरिट स' नहि डोनेशन वा कोटा तोटा पर। सेहो की सब कें होइत छैक। जैं बाप पाइ वा पैरवी बला छलै तैं ने भेलै। जे से। से जे कह लगलहुं। नम्बर ओकरे बेसी अबैत छलै। फाइनल इयर मे गेला पर आने बेर जकां पहिनेहे कहि देलकै ओ जे एहि मे एते एते प्रतिशत नम्बर आयत हमरा। जे जेन्यूइन विद्यार्थी छल फाल्गुनी तकरा आब नहि रहल गलै ओ कहलकै यदि हमहुं सब चूड़ीदारक डोरी खोलब एहिना नम्बर हमरो सभ कें आयत....!! सब एक दोसराक मूंह देख, लागल रहय तखन।



दखल देब

हं मामा। गोड़ लगै छी

नीके रह। की समाचार छह। सब ठीके छै ने

हं मामा अहां सभक आशीर्वाद स' सब ठीक छैक । बहुत दिन पर फोन केलउं , कोनो खास बात की?

नहि। कोनो तेहने नहि। हं कहलियह जे गाम मे माय बाबूक पाइताइ किए ने पढ़बैत छहक? ई त' नीक बात आ नीक लोकक काज नहि भेलै ने।

नीक लोक बा नीक काज भेलै कि नहि से त' हम ने बुझबै ककरो घरक बात मे आन इनटर फेयर केनहार के? हमरा बिना विचार पुछने ओ सब जे फुरै छनि से करै छथि। बांस काठ खेत धरि बेचैत छथि। तखन फेर केहेन पाइ कथिक पाइ....।



असमनजस

हिनकर अपना इच्छा रहनि जे भातिजक उपनयन भ' जाएत आ एम्हरे स' एम्हर जहिना एलहुं तहिना चलि जैब। मुदा अपना मोन नहि मानैत छल से। बाबू बुझता जे ई सब आयल छल त' कते दुख हेतनि हुनका जे भेंटो तक नहि केलक। इयैह एहि लेल लोक बेटा जनमबैए। आ लोके सुनत त' की कहत, ऐं फलमा एहन भ' गेलै सासुर आएल आ गाम नहि। अपना त' लोक लाज से हो ने हुअए।

मुदा ई माननिहारि नहि। हिनका दुनू सासु पुतहु मे पटै नहि छलनि। भेड़ा महिषिक कानि। जाइते शुरू भ' जाइत छनि। मायक कहब छैक जे हमर बेटा हरि लेलक नटिनियां हिनकर कहब छनि सब ने हरै छैक। हिनकर बेटी की नहि हरने छनि हिनका जमाए कें। ओहो त' ककरो बेटे छियै की नहि। एहि उचित बात ले आर समस्या दुरूह भ' जाइत छलै। गाश गारी मारा पिटी तकक नौबत। अपनो मोन छिना जाइत छल। ककर पक्ष लके बाजू आ ककर नहि। मायक पक्ष लिअ त' ई हफ्फ आ हिनकर पक्ष लिअ त' कहैत छैक माय जे बौहु नोने खोआ देने छैक। जामे हमरा सब रह छी गाम मे तमाशा बनल रहै छी हम सब आ हमर अंगना। लोक कें की लगैत दैक अनकर भोज खाइते नीक अनकर झगड़ा देखिते नीक, सैह बात सैह परि छलै।

ई कहैत छथि नैहरे स' वापस चलि आयब। बौआ सब कहैत अछि नहि हम पहिले बाबा गाम जेबउ। मैयां हमरा खिस्सा कहत, बाबा संग हम बिदेसर जैब। ओत हमर दोस्त सब अछि। ओत बड़ नीक लगैत अछि हमरा, हम नानी गाम नहि अपने गाम जेबौ। ई सुनि हिनकर आंखि लाल पियर भ' गेलनि अछि आ हमर मोन केना दन सन। की करी की नहि। कतय जाउ कतय नहि। ककर गप्प मानू आ ककर नहि से सोचैत सोचैत ओछेना पर आंखि लागि गेल रहय हमर......!



स्टेचमेंट

बिवाहक कएक बरखक बादो तक एना नै होइत रहै। माने जामे तक दरमाहा उठाक पूरा लिफाफ बाबूक हाथ मे धरा दैत छलै, अपना जे दु चारि सच लगैत छलै से फेर मांगीक माय बाबू स' लैत रहै ताबत तक सब ठीक एकदम ठीक।

परिवार संग मे रहब बाल बच्चाक पढ़ब लिखब खर्चे खर्चा। से जहिया स' लिफाफ देबबंद भ' गेलै, तहिया स' माय बाप बहिन बहिनोइ भाइ भाउज सभक बैरी भ' गेल रहय ई सब। नाक दम क' देल गेल रहै, एकरा सभक। गाम कहियो जाय त' अलग खाइ ले टा कहलकै। ने चुल्हा ने बर्तन ने भनसा घर आ चाउर दालिक के पूछै किछु नै देलक।।

उपर स' गारि फज्जहति सुनय आ उपर स' दोसर बेटाक सबटा लिख देबै सब सम्पति घर घरारी तकर धमकी पर धमकी। बापक पीएफ क आ रिटायरमेंट पाइ सेहो भाईक खाता पर ट्रांसफर क' देने रहै बाबू। कोनहुना समय बितल जाइत रहै। स्थिति तेहन भेल जाइत रहै जे होइ कोनो दिन आत्महत्याक' ली। झमेला समाप्त। मुदा पत्नी आ बच्चा सभक मूह देखि गम खा जाए जे हमरा रहैत एते करै छैक पाछां की करै जेतै ओ सभ....।

आइ राति मे एकटा सपना देखलक जे एकटा बबाजी अघोरी बबा एकब लग एलै हे। आ एकटा मुंड छापल लॉकेट एकरा देलकै हे आ कहलकै जे ई लाकेट माय बाप लग जाके एकटा सरबा मे कनी पाइन लके ओहि मे मिजाक तीन बेर अपन कपार मे भिखैत मंत्र पढ़ै लेल जे माय बाबू चलि जाउ, माय बाबू चलि जाउ माय बाबू चलि जाउ। ई करिते माय बाबू गाम स' पड़ जेतौ या मरिये जेतउ। तोरा सभक झमेला समाप्त। रस्ता साफ।

ओ लॉकेट ल' माय बाबू लग सखाने पानि राखि तीन बेर कपा मे भिरेलक। मुदा ओ मंत्र जे कहने रहै पढ़य माय बाबू चलि जाउ से नै पढ़ि सकल ओ....। आब खूनक टान हो बा कोनो एटेचमेंट से नै बुझि सकल रहय।



आत्माक आबाज

ओहि मौसमी बला लग जा मौसमी जे छिट्टा मे डीक लागल छलै तकरा एक दू टा हाथ मे ल' देखैत पुछलकै मौसमी कत्ते कके छैक?

मौसमी वला कहलकै चारि रूपैये पीस। आ दर्जन?

चालीस रूपयै हैत। आर कम नहि करबह किछु? ओ कहलक

नहि आर कम नहि हैत। ओ मौसमी राखि चल गेल दोसर दोसर दोकान पर।

ओहि दोकान पर अढ़ाई तीन रुपये पीस सब छलै मुदा ओकरा सन टटका आ डगडगी जहि छलै। ओ फेर पहिलुके दोकान पर आयल। दोकानदार एकटा कारी पोलीथीन एकरा हाथ मे देलकै। ई ओहि छोटा मे स बीछ बीछल निकहा निकहा ओहि मे ल फलबलाक हाथ मे द देलकै गनय लेल। फलबला ओकरा बिना गनने पोलीथिनक कात मे राखि देलकै आ एकरा स' पाइ ल' ओ पोलीथीन ओकरा हाथ मे घरा देलकै।

कारी पोलीथीनक उपर सं' किछु पता नहि चलैत छलै जे एहि मे की छियै आ कएकटा छैक। एकरा ओहि फल विश्वास पर बड़ आश्चर्य भेल रहै। एकरा ईहो भेल रहै जे एक दू टा मौसमी ओ ओहि मे किये ने बेसी ध देने छलै।

मुदा तखने मोनक भीतर स' आवाज एलैओ चोरी ने होइतै।



आत्मविश्वास

विश्व आर्थिक मंदी मे ओकर सैलरी कम भ' गेल छलै। जेना देखैत छलै दू पांच गोटाक रोज फूल एंड फाइनल सेटलमेंट होइत, ताही सं लगैत छलै जे कोनो ने कोनो दिन एकरो नोकरी ने चलि जाइ।

मुदा ओ प्रसन्न छल। ने कोनो चिंता आने कोनो गम। कारण ओ सीधा बीए बीकम आ एम ए नै केने छल। ओ टेकनीकल लोक छल, ओकरा भीतर विश्वास छलै दू पाइ कम्म वा बेसी काज भेटिये जेतै। बिहाड़ि बिर्रो मे ओ दृढ़ ठाढ़ अछि पुरान पीपरक गाछ सन।



आजादी

एते दिन मोहल्लाक भाड़ा घर मे रहै जाइ छल ओ सब। बड़ कष्ट एतेक गोटा स' बेसीक नै रह' देबा। ई ऐना कियै भेलौ त' ओ ओना कियै। कखनोक मोन आरिज भ' जाइ छलै ओकरा सभक।

लोक कहै छैक भगवानक घर देर छै अन्हेर नहि। से एतेक बरखक बाद अपन फ्लैट भेले हे ओकरा सभक। खुभ खूब खुभ।

मुदा बेटा जखन रहय लागल ओतय त' ओ खुश नै छल। बंद खिड़की केबाड़। ककरो स' कोनो सरोकार नै, ओहि घर मे की भेलै से बगलक घर तक क' नै पता। बान्हल आ ठमकल सन जिनगी।

आइ इसकुल स' फिरै बेर मे ओकर संगी सब ओकरा पुछै छलै तोरा त' आब अपन फ्लैट भ' गेलउ। आजादिये आजादी।

ओ कहै छैक घुर कथिक आजादी। फ्लैट मे पापा मारैय, कियो साला देखतो तक नै अछि....!!



तंग

संपर्क बैसार मे जाइत -जाइत हमरा देरी भ' गेल छलै। संध्या पांच बजे संपर्क मे रचना पाठ आ ओहि पर आलोचना समालोचना शुरू भ' जाइत छलै।

दरअसल हमरा डेरे स' निकलै मे थोड़े देरी भ' गेल छल। ठीक निकलै काल मे एकटा आप्त लोक डेरा पर आबी गेल रहथि आ हुनका संग गप्प-सप्प करैत चाह पान

होइत थोड़े समय लागि गेल छल। आ छुट्टी दिन रहला स' बसो सब कम रहैत छैक। जे से जाही द्वारे हो हमरा देरी भ' गेल छल ओतय पहुंचै मे।

हम बस स' उतारि चोद्दहि संपर्क जतय होइत छलै तेम्हर-नम्हर-नम्हर डेर दैत झटकारिक चल जाइत रही। ठीक हमर उनटा दिस सं तीन चारि गोटा गप्प करैत आबि रहल छला। गप्प प्राय: ओकरा सबक पहिने स' होइत आबी रहल छलै। दुनू गोटा जखन थोड़े लग मे एलौं त' ओ सब जे अपना मे बात करै छलै ताहि मे कहलकै जे हम आब तबाह भ' गेल छी।

ओकर ई बात सुनि हमर डेग जे तुफान एक्सप्रेस सन छल से पसिंजर ट्रेन भ' गेल आ हम बिसरि गेलउ संपर्क बैसार तखन। हमरा बुझा गेल जे एकटा निश्चय भाइ भैंयारी बला झंझट छैक आ ओ ताहि सं तंगा भ' गेल अछि। मुदा कियो पुछलकै जे ककरा स' तंग भ' गेलउ से ओकरा मुहें जबाब सुनि हम अबाक भ' गेलउ। ओ कहलकै हम जमाइ स तंग भ' गेल छी। हमरा मोन मे भेल जे निश्चय ई ससुर जमाईक तंगीक कारण ई महानगर छी, जतय कोनो रिलेशन नै थीर रहि पबैत छैक। सब अपन-अपन ड्यूटी आ पाइ मे लागल रहैत अछि आ फेर डेग झटकारिक चल गेल रही संपर्क मे हम.....।



विकसित होइत देश मे...

किराना दोकान पर लोकक भीड़ लागल रहै। दोकानदार समान दैमे व्यस्त छलै। तागे मे आलुक ठेला एलै आलुक बोरा ल' क'। दोकानदारक' ठेला बला आलुक बोरा दैत कहलकै आइ बेच लैह पन्द्रह टके किलो आलु काल्हि स' सत्रहक भ' जेतइ।

ग्राहकक भीड़ मे बेसी भाग गरीब गुड़बे लोक छल तखन ओतय। ओ सब काल्हिये सुनने रहय तिरसठिम स्वतंत्रता दिवसक भाषण मे प्रधानमंत्री भाषण जे महंगीक मारि स' डबारैक लेल सरकार प्रतिबद्ध अछि। एहि लेल कड़ा डेग उठायल गेल अछि, राज्य सरकारोक कहल गेल अछि जे वस्तुक जमाखोर पर पूरा-पूरा ध्यान राखल जाए।

भाषाणक दूओ दिन नै बीतल छलै आ ई सत्रत टके आलूक भाव सुनि एकटा गरीब मारल थुथुर बुढ़ जकर देहक हड्डी झक झक देखाइत छलै धोकचल चमरा पर स। ओ बाजल रहय दालि त' हमरा सभ लेल खसीक माउस जकां दुर्लभ भ' गेल अछि। आलू आ भात जे सिद्ध खाइत छलउ लगैए, सेहो नै भेटत आब। हमरा सब मरि जैब एहि विकसित भ' रहल देश मे आब......।



डेरायल

हम एम ए फाइनलक परीक्षा द' रहल छलउ। मैथिली आ हिन्दी दुनू विभागक छात्र छात्राक एकहि टा विशाल घर मे एक ब्रेंच पर एकटाक विद्यार्थी बैसाक परीक्षा लेल जाइत छलै। परीक्षा खुब कड़ा स' लेल जा रहल छलै।

हमरा सब लिखै मे व्यस्त रही, पूब पश्चिम की होइत छैक से नहि बुझाइत रहय किछु। विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त कएल गेल गार्डक अतिरिक्त प्रशासनिक पदाधिकारी सब बीच बीच मे आबि पूरा घरे-घर बौआक देखैत रहै। एकर अलावा लाल बती लागल गाड़ी स' प्रशासनिक पदाधिकारी सेहो सब आबि सबक चेक करै आ कएक गोटाक पकड़ेला पर एकसपेलु क' दैत छलै।

पहिले दिनक परीक्षाक दू घंटाक बाद एकटा सर्कुलर एलै आ सब घरे घर पढ़िक सुनायल गेलै जे काल्हि जे परीक्षा देमय अबै जाए से एडमिट कार्डक लेमिनेशन कयल रहक चाही। कारण पता केला पर बुझलियै जे कोनो विद्यार्थी पेंसिल स' ओहि पर चिट कके अनने रहय लिखके। दोसर दिंन सभक एडमिट कार्ड लेमिनेशन भ' गेल रहै।

छः सात पेपर जखन परीक्षा भ' गेलै त' एक दिन गार्ड कहलकै जे आब बाथरूम जाएब ताहि पर ओ ई बात कहलकै। कहक समय मे ओ ध्यान नहि देने रहै जे परीक्षार्थी मे छात्रा सेहो बहुत गोटा छैंक। ओकरा जखन ओ बात ध्यान मे एलै त' कहै छैंक जे लड़का बला बाथरूम मे।

ई सुनैत देरी हम जे उत्तर लिख रहल छलहुं। ताहि दिस स' ध्यान हटि ओंहि गार्ड दिस चल गेल रहय। आ लागल रहय जे परीक्षार्थीये जकां डेरायल छल जे ई की बजा गेल। मुदा सब छात्र छात्रा लिखै मे व्यस्त छल। आ मोने मोन कहै छल, लगाव ने कैमरा जत' लगेबाक छह। जखन अपने कन्फीडेंट भ' परीक्षा दैत छी तखन डर कथिक?



फूकि फूकिक'

ओ नै कहै छै फूकि फूकिक पायर राखब से ओ फूकि फूकिक पैर रखैत छल। ट्रेनप मे कतउ जाइत अबैत ने ककरो देलहा लेलहा खाइल छल आने कोनो हांकरे सं किछु कनीक खाइत पीबैत छल।

यदि डेरा स' वा घर स' टिफिन खेनाइ नै ल' जाइत छल त' बेचारा भुखले रहि जाइत छल वा डेरे पर स' ल' गेल बिस्कुट खा समय काटि लैत छल।

ओना लोक क' खाइत पीबैत देखि एकरो मोन होइ खाइक मुदा मोन मसोसिक रहि जाइत छल ओ। हं चाय तक पीबैक इच्छा होइ त' गाड़ी मे नैपीबैत छल।

एहि बेर दुनू प्राणी गाम जाइत छल, बहुत रास समान बारी सब छलै बहुत रास पाइ कौड़ी सेहो। कन्यादान मे जाइत छल गाम। तैं एहि बेर कनि आरे बेसी सतर्क छलओ। मुंह मे जाबी लगेने। जाड़क समय चाह पीबैक प्रबल इच्छा रहितो नै पीब रहल छल चाय।

गाड़ी आसनसोल जंक्शन पर रूकल छलै। प्रायः बीस पच्चीस मिनटक स्टौपेज छै एतुका। ओ ओतय उतरि क' एकटा नीक स्टाल पर जाके दू भाड़ चाय लेलक एक भाड़ अपने पीलक दोसर पत्नीक खिड़की बाटें बता देने रहय।

गाम पहुंचे स' पहिने दुनू गोटा तेहन निसभेर निन्न मे सुतल जे लोकक उठेलापर ओकर सबटा पाइ कौड़ी समान सबक अता पता नै छलै।

लोक कतेक फूकि फूकि चलत तकर मादे ओ सोचैत खाली हाथे गाम दिस चल जा रहल छल...!!



आजुक बच्चा

पपा हमरा लेल आइ जेंम्स लेने आएब।

नई बेटा रोज रोज जेम्स तेंम्स चाकलेट खेला स' दांत खराप होइत छैक।

त' एकटा पैकेट बिस्कुटे लेने आयब।

सब दिनक ई खेनाइ ठीक बात नइ छीयै। सोना।

त' सब दिनक पढ़नाइयो ठीक नइ छियै पप आइ स' टास्क बनेनाइ बन्न।

ठीक छैं बाबू टास्क बनेने रहब। हम लेने आयब।

पक्का पपा

पक्का...।



शोक

सुरतिया एहेन देह किए लागै छौ, किछु होइ छौ की?

नहि गिरहत। कहां किछु होइये।

त' एना देह गलि किए गेलौ? सब ठीक छौ कि नहि। परूकां जे गाम आएल रही त' केहन सुन्नर छलैं, एखन कंक-कंक बैसि गेल छौ।

से त' महाग बढ़िया कमाइ आ खाइ छलउ। गामे रहि अहां औरीक माय बापक दया स' कथुक दिक्कत नहि होइत छल।

त' आब की ताहि मे कोनो गड़बड़ी भ' गेलौ की?

नहि सेहो नहि भेलै।

तखन की भेलौ?

खरबारि बाली चलि ने गेलइ।

की भेलै ओकरा, इयैह त' बियाह कके अनने छले तीन या चारि बरख पहिने। मोन-तोन खराप छलैकी

नहि यौ गिरहत। ओ हमरा पितिऔत भाइ संगे संबंध क' रह' लगलै हे।

अएं......।

संबंधे करिते त' कतउ दूर म। हमरा घरक सामने मे हमर घर उजड़ि दोसरक घर बसैत ककरो देखल जेतइ गिरहत। एक एकटा ओकर प्रेम आ आलिंगनक गप्प मोन पड़ैत अछि त' बोतलक बोतल पीबि क सुति रहै छी।

मुदा सुरतिया ई ठीक नहि करै छै।

के गिरहत हम या हमर ई बेरादर....।



मातृभाषा

ओ जाहि महानगर मे नोकरी करैत छल ततय क्षेत्रीय भाषाक प्रधानता छलै। पढ़ाई लिखाइ मे अंग्रेजी पहिले छलै तकरा बागद वैह ओकर अपन भाषा लोकल भाषा राष्ट्रभाषा हिन्दी त' लाजक पक्षे छलै एक पेपर जेना हमरा सभक गाम मे पढ़ै लिखैक समय अंग्रेजीक पेपर रहैत छल तहिना।

से कतेक बेर बोर्ड सभक परीक्षा सभक समय हो हल्ला उठि जाइत छलै महानगर मे। कारण हिन्दी मे देल गेल प्रश्नक लके, उन्टा पुन्टा सेट कयल प्रश्नक कारणे आदि आदि।

जे जखन ओ ओतय नेट परीक्षा मे बैसल छल आ परीक्षा केंद्र महानगरक ओहि प्रसिद्ध कॉलेज मे भेल रहै। ओहि भीड़ परीक्षार्थी मे बैसल आ दोसर आ तेसर पत्र मैथिलीक प्रश्न पत्र ओकरा हाथ आयल रहै त(ओ गद् गद् भ' गेल रहय। ओकर छाती खुशी स' फुलि गेल रहै आ माथ ऊंच सन भ' गेल रहै। ओकरा मायक भाषा पर फेर एक बेर गुमान भेल रहै।



जड़िक

बबा बबा....दुसघटोली मे जे पहिले भाओ होइत छलै सलहेसक पूजा मे से आब नहि होइत छै की?

हं बौआ होइत त' छैक मुदा पहिने सन नहि।

से की बबा।

राजा सलहेस ओकरो सभक ' राजा ने बना देलखिन हे। डॉक्टर इंजिनियर ग्राम सेवक मास्टर आदि आदि।

त' हुनकर गहनर किए एना टुटल फाटल छनि।

आब एहिना होइत छै बौआ देखै नहि धहक तोरा पापाक दिल्ली मे फ्लैट आ हमर गाम पर चुनैत खढ़क घर....। बड़का भेने लोक बिसरि ने जाइत अछि अपन जड़िक....!!



जागरूकता

हम अपना ऑफिस मे छोट ओहदाक लोक छी। छोटओहदा माने साधारण एकटा एकाउंटस कलकै। कलर्कक ग्रेड धून स' उपरका ग्रेड छैक एतय। प्राइवेट कंपनी मे विद्वता आ आर कथुर मोजर नै होइत छैक। मूर्ख लोक सब स' उचका अधिकारी भ' सकैत अछि, यदि ओ कंपनी मालिक क' संबंधी वा मित्र मंडलीक लोक होइ आ पढ़ल लिखल हमरे सन ग्रेड वा ताहू स' एक ग्रेड नीचा से तेहने एकटा की कएक टा ऑफिसर अछि एतय जकर ज्ञान आ बुद्धि देखि हम क्षुब्ध भ' जाइत छी कखनो कखनोक।

जेना इयैह लोक सभाक भोटक परिणामक बाढ़ जखन सरकार बनैक गहमा गहमी होइत छलै, तखन ऑफिस मे ओ परचेज मनेजर (स्टील) जकरा पर कंपनीक बहुत किछु डिपेंट करैत छैक, कहलकै जे मुख्यमंत्री के होइत अछि एतय से देखा चाही।

ओकर गप्पक सुनि हम कहलियै ई भोट एतुका नहि छलै साहेब जे एत मुख्यमंत्री बनतै आ हटतै ई दिल्लीक भोट छलै ओ ओतय सरकार बनतै....। ई सुनि ओ लगा गेल छल। आ हम अपन सीएम कॉलेजक फस्ट क्लासक रिजल्ट आ एतुका ग्रेडक मादे सोचय लागल रही। आ ओ परचेज मनेजर (स्टील) ह्वील चेयर पर मेच मेच झुलय लागल रहय।



आशा

`प्रोफेसर साहेब लग विद्यार्थीक आबा जाही लगले रहैत छलनि। कियो टयूशन पढ़य कियो नोट्स लेमय कियो सजेशन त' कियो। किछु त' कियो किछु।

प्रोफेसर साहेबक विश्वविद्यालय मे चलतीयो खूब छलनि आ सम्मान सेहो। विद्यार्थी सभक नोट्स सजेशन जे देथिन से ल' विद्यार्थी उपकृतो खूब होइत छल हे।

विद्यार्थीयों मे सब तरहक लोक रहैत छल। बहुत त' टयूशन फी नोट्स, सजेशन फी दये क' काज करबबैत छल। बहुत एहनो छल जे ठीक स' पोथी आ कौपी पेनो नहि कीन पबैत छल सेहो हिनका लग आबिक गोहारि लगबैत छल।

प्रो. साहेब मदति धरि सबक करैत छलखिन। हं बिना पाइ बला लोक कें एतेक गप्प धरि अवश्य कहैत छलखिन जे एखन यदि हमरा नहि किछु सेवा कएल होइत अछि त' ध्यान राखब जे कतउ नोकरी करब त' हमरा मोन पाड़िक द' जैब एहि नोट्स सभक मेहनताना....।

आ बहुत विद्यार्थी तखन सोचय लागय जे सैह जाहि प्रोफेसर साहेबक करीब पैंतालिस पचास हजार रुपया दरमाहा छनि तिनको ई आशा छनि...!!



अपन गाम

मम्मी मम्मी हमरा सब कहिया जेबै गाम?

चुप कर। गामक नाम लैत अछि। हमरा सब नहि जेबै गाम।

हमरा दादा आ दादी जी लग द' आ। हम नहि रहबौ एत। हमरा दादा दादी जी गाम मे खिस्सा कहै छल गोनू झा बला खिस्सा। आ मानितो बड़ छल, कन्हा पर चढ़ा दैत छला दादा जी। हम गाम जेबउ गै बुढ़िया हम गाम जैब।

पीठक चमड़ा ओदारि देबौ गामक नाम लेमे त। जे हिनका माय बाप कें देख तक नहि चाहै छनि तकरा लग जेताइ। बदमाश नहितन। पपा अबै छउ आफिस स' त' कहै छियै जे नाना नानी गामक टिकट कटा दियौ रहतै भरि मास गर्मी छुट्टी मे ओतहे।

नहि हम नहि जेनउ ओतय। हमर अपन गाम अच्छा गाम अछि। आर हमर अपन दादा दादी अच्छा दादा-दादी हम ओतहे जेबउ।

हं किए ने ओत जेमे बापक हुंडी जे राखल छउ ओत....।



साहस

बौआक आइ पहिल कलास शुरू होइ लेल छलै। पहिने त' ओ गछबे नहि करै छलै जे इसकुल जैब। मुदा परतरि परबोधिक ओकरा तैयार केने छल मां पपा इसकुलक ड्रेस ठाइ जुता बैज आइडेंटी कार्ड सब पहिरा देने छलै मां ओकर। देखिक ककरो नजरि नहि लागि जाइ, ताहि लेल ओकर कंगुरिया आंगुर मे दांते कांटि देने रहै। इंगलिश मिडियम स्कूल छलै नहि त' काजर क बड़का ठोपे क' दैतै।

से तैयार केला पर कहलकै पपा ओकर बैस भगवान लग बैस गोड़ लाग जाए कालमे हमरा सबक गोड़ लागि जीते ओ हाथ जोड़ि जतय पूजा करै जाइ छलै आ भगवान भगवतीक फोटो सब छलै ततय बैसि गेल। पपा कहलकै कहुन भगवान कें जे हमरा डॉक्टर इंजिनीयर बना देब। बौआ झझकि उठलै। नहि हम डॉक्टर इंजिनीयर सब नहि बनब हम पुलिस बनब पुलिस। आ भगवान क' कहलकनि हे ठाकुर हमरा पुलिस बना दिअ।

ओत स' उठलाक बाद मां पपाक गोड़ लागिक साइकिल पर ल' पपा इसकुल ल' गेलै। रस्ता मे पपा कहलकै बौआ डॉक्टर इंजिनीयर बनब से ने नीक पुलिस कियो बनम?

ओ कहैत छैक नहि पपा पुलिसे नीक होइत छैक देखै नहि छियै बदमास सबक गोली मारि दैत छैक, हम पुलिसे बनब पुलिस।

पपा ओकर चुप्प भ' गेल छल, जाहि पुलिसक नामे बच्चामे ओ सब डेरा जाइत छल। ताहि अवस्था मे बेटाक ई साहस देखि आश्चर्य मे छल। इसकुल आबि गेल रहै। ओकरा साइकिल स' उतारैत देरी ओ दौड़ि कऽ गेटक भीतर प्रवेश क' गेल रहैय।



गुरु दक्षिणा

श्री मान हमरा किछु गेस आ नोट्सक व्यवस्था क' दैतउ त' नीक छल।

भ' जैत। सबटा भ' जैत समय आब ने दिऔ।

आब समय की एतै सर। अगिला महीना मे परीक्षा शुरू भ' जेतै। फेर ओकरा यादो सब कर' पड़तै ने।

ठीके छै त' अहां की केना कर' चाहै छी अमित जी से कहू हमर।

की कोना। नै बुझलियै श्रीमान।

माने परीक्षा मे की केना कर चाहै छी ताही हिसाबे न सलेक्शन आ नोट्स देब।

श्रीमान हम गरीब घरक विद्यार्थी छी आ गरीबिये द्वारे मैथिलीये पढ़लउ हे। हम कत' स' की देब। आ हम जे ऋण पैंच कके दू चारि बा पांच हजार दये देब ओहि स' की हैत अहांक। हमरा नै लगैत अछि पचीस हजार स' कम दरमाहा हैत अहांक। तखन एकर की प्रयोजन से नै बुझे छियै हम सर।

से अहांक बुझैक कोनो काज नै अछि। जे नीक किछु कर चाहै छी त' दक्षिणा लगबे करत पांच हजार

रु............पै...........या............।



अनसिमिलाइंड

विश्व कपक सेमीफाइनल मे इंडिया पाकिस्तानक निश्चितांक संग बाजी, सट्टा लगबक संग सभक मोन मे उदबेग आ आक्रोश उमड़ि गेल छलै।

बहुत पैघ छोट प्राइवेट कंपनी सब आधा दिनक छुट्टी सेहो घोषणा क' देने रहए। ओनाहो जे एकर प्रेमी लोक छल से काज उद्देम छोड़िक' एकरा देखबाक लेल ठीवी रेडियोक ओगरिक बैसल छल। रस्ता घाट सेहो सुन्न मसान छल। लोकक आबा जाही कम्म एकदम्म कम। बस गाड़ी घोड़ाक सेहो अभाव देखना जाइत छल। आ जेहो छल सेहो ढनढनाइत खाली खाली। लगैत छल भारत वासी क्रिकेटक बड़ पैघ प्रेमी अछि। कएक ता कंपनी जे छुट्टी नहि डिकलीयर केने छल ताहु ठाम लोकक अभाव छल ओहि दिन। डायरेक्टर आयल रहय ऑफिस का आधा दिनक लीभ अप्लीकेशन फार्म पर्सनल डिपार्टमेंट मे पड़ा चल गेल रहय डेरा। ओना ओ बिना छुट्टियोक जा सकैत छल। के रोकितै ओकरा। सब टेंशन मे छल।

बहुत गोटा बुझए जे हमरा सब अनसिभिलाइज्ड छी, कारण सेमीफाइनलक लेल लोक एतेक व्यस्तआ चिंतित नहि छल। भारतक पाकिस्तान संगे मैच छैक तैं लोक एतेक आक्रोश मे अछि। जेना हमरा देश मे एहि सामान्य बात लेल एनाहोइत अछि। बच्चा बच्चा उत्तेजित भ' जाइत अछि तेना कोनो दोसरो देश मे होइत हेतै की?



सासु

कनियांक सासुर बसना करीब दू साल भेल जाइत छलनि। बाप त' द्विरागमन स' पहिने मरि गेल रहनि , तखन त' भाइ सबक' जे जुरलनि से द' ल'क' विदा क' देने रहनि। बड़का घर घरि क्रिया नहि नीक छलनि भाइक। जेहो देबाक सेहो नहि देलकनि। ओ त' बाप रहितनि तखन ने भाति भातिक वस्तु माय अनाक सठितनि। माय बेटा सबक कहबो केलकै मुदा के सुनैय मायक! बहु ने सभक काल भ' गेल छैक।

से एहि बेर जे कनियां गेली त' ओत स' बापक एकटा भरायल फोटो लेमिनेशन कएल लेने एली आ अपना घर मे टांगी देलनि। ज' ज' समय बीतैत जाइत छैक बाबू ततेक आर बेसी मोन पड़ैत रहनि। से बापक फोटो सामने मे टांगि क' रखने रहथि। आर त' महि किछु होनि मुदा हुनका देखि मोन थोड़े हल्लुक रह, लगलनि जे बाबूये लग छी।

हठात् एक दिन सासुक नजरि ओहि फोटो पर गेलनि। ओ एक्के पएरे नाच लगलखिन। कहलखिन कनियांक जे एय अहांक एतेक टा सपरतीन जे ई फोटो अहां एत सामने मे टंगलउ हे। हमर बेटा मुहल्हे लोककें मूंह देख क' घर स' जाएत आ आएत। एखन हटाउ

एहि फोटो क'। कनियां तखने फोटो उतारि आलमीराक पाछा मे एकटा नीचा दबाक कांटी ठोकल छलै ताही मे लटका देलखिन। आब ओ फोटो नहि देखाइत छैक। जखन कखनो कनियांक मोन उबियाइत छनि तखन ओकरा चुपचाप देख क' फेर ओत टांगी दैत छथिन।



सोच

हे एहि बेरक चार्टड डीमांडक ऑफिस मे पाइ बढ़ैक छल से बढ़ल की नहि?

हं बढ़लै ने।

कतेक बढ़ल।

कतेक बढ़तै एक हजार।

हे सुनू। मां बाबूक नहि कहबनि जे एक हजार बढ़ल।

त' कतेकक नाम कहबनि।

कहबनि इयाह पांचे सच बढ़ल।

बेस सैह कहबनि।

एकटा बात आरो।

की।

हमरा गाम स' यदि भैया तैयाग फोन आबय त' कहबनि दू हजार बढ़ल हे। आ परमोशन सेहो।

से किए? से कहीक फायदा?

अरे हमरा माइ बापक मोन खुशी ने हेतै.....!



दुख

सैह देखियौ यौ, बौआ फोन तोन नहि करैत छैक। जखन की ओकरा बुझल छैक जे माएक मोन खराप रहैत अछि।

धुर! छोड़ू ने, बौआ बौआ रट लगेने रहैत छी अहां। आ ओ सब एहन अछि जे कोनो ढेकारे नहि छैक।

छोड़ी कोना देबै ओ बौहुं बच्चा लके उड़त मौज मस्ती करत आ हम दुनू प्राणी एतय कष्ट काटू मरू। छोड़ी कोना देबै।

त' की करबै अहां?

की करबै। जेबै मधुबनी आ केस क' देबै जे हमरा सबकें नहि देखैत अछि।

छी: छी: ई सब करय कियो। अहींक बेटा नें जेल मे जाएत।

नहि हम्मर बेटा किएक कहै छीयै, ओही मौगीक सैंय कहियौ ने। जहिया स' ई हरासंखनी आयल तहिया स' हमर बेटा एना भ' गेल। पहिले एहन नहि छल हमर विनोद यौ......!!



सेवा

नहि। से नहि हैत एत हमरा सबकें ओगरिक रह पड़त। सासु कहने रहै।

बेस सतबढ़्ना बाढ़नि स' खड़रि नहि देबनि। पुतहुंक उत्तर रहनि।

हम बेटा कें बियाह करा लेब। तखन बुझबे तु।

बेटा संग हिनको दुनू बेकती कें जेल मे सड़बा देबनि। कहलकै जे....।

तु जे सैंय संगे बाहर मे रहबै त' एत' के ओगरतौ तोरा ससुर ससुरकें आ घर आंगन कें। के ओगरत कियो नहि। ताला लगा सब चलथु ओतय रहै जयहथि ओतहे। हम धीया पुताक पढ़ेनाइ लिखेनाइ छोड़ी के नहि रहबैनि हिनकर सभक सेवा मे....हं....!!



पाथड़

ओ पन्द्रह सालक बाद फेर स' पढ़ाई शुरू ककें मैथिली एम ए मे नाम लिखैन रहय। परीक्षा मुदा एहन कड़ा स' लेल गेलै जेना लागय ई मैथिली नहि अंग्रेजीक परीक्षा होइ। कम विद्यार्थी रहलाक कारणे विभागाध्यक्ष महोदयक नजरिमे ओकरा सभक हजारी सेहो बनैत रहैत छलै।

सोलह पेपरक परीक्षा आठ आठक' एक साल मे बादमे होइ जे आने विषय किएक ने लेलउ। मेहनत त' कम नहि करय पड़ल अछि।

साहित्यक क्षेत्र मे रहलाक कारणे एहि पन्द्रह बरख मे सेहो ओकर अध्यन आ लेखन जारीये छलै।

प्रिवियसक परीक्षा मे ओकरा 76 प्रतिशत मार्क आयल छलै आ ओकर प्रतिद्वंद्वी मे कोनो कॉलेजक प्रो. कर पुत्र छलौ आ डिपार्टमेंट मे आर एकटा प्रो. क जात अबरजात छलनि तकरे डेरा पर रहि ओ अध्यन करैत रहै। ओ कहने रहय हमरा किछु पेपड़ मे पैरवी लागल हे। तकरा स' एकरा मात्र 4 प्रतिशत मार्क कम छलै। एकरा अपना पर गर्व भेलै जे

ओकरा पैरबी कके जतेक मार्क एलै ओकरा स' मात्र 4 प्रतिशत कम आयल बिना पैरवीक। अपना पर फेरगर्व भेल रहय तखन ओकरा।

फाइनल परीक्षा से हो भ' गेल रहै। कौपी सब कहांदन दोसर विश्वविद्यालय परीक्षाक आबी डिपार्टमेंट मे जंचने रहै। गप्प एते सेकरेट रहै जे रिजल्ट स' पहिने ओ त' नहिये बुझने रहै आन कियो बुझने होइ से नहि कहब।

ओ बुझैत रहै जे हमरा प्रथम श्रेणी मे विश्वविद्यालय मे दोसरे स्थान हैत। कारण हमर ने कोनो पैरबीकार अछि ओतय आ कौपी ज' निको लिखल हैत त' ओकरा दबबै मे कतेक समय लगतै। जे से तइयो फाइर्नल रीजलटक प्रतीक्षा मे रहैं आ सोचने रहैं जे विश्वविद्यालय मे दोसरे स्थान हैत तइ स' की खुशी स' खुब कानब जे पन्द्रह सालक बादो त' कएल एम ए।

आ से रीजल्ट एसा पर ओ रिजल्ट आनय गेल रहै। ठीके प्रथम श्रेणी में विश्वविद्यालय मे दोसर स्थान आयल रहै। 74 प्रतिशत मार्क छलै। ओकर प्रतिद्वंद्वीक 76 प्रतिशत। ओकर रिजल्ट मे विथ डिस्टेंसन लिखल रहै। एकरा मे से नहि ओ रिजल्ट देखि जे सोचने रहै खुशी स' कानब से नहि कानल रहै। ओकरा कोनो प्रसन्नता नहि भेल रहै। अपना पर केवल पछताबा भेल रहै जे यदि विश्वविद्यालय कोनो प्रो. पुत्र वा पुत्री रहितउ आ डिपार्टमेंट अध्यक्ष लग हुनक आ हुनका मित्रक जात अबरजात रहितय त' निश्चय दोसर स्थान नहि होइतै हमरो। यदि जेबो करितै त' डिस्टेंशन त' हेबे टा करिते। डिस्टेंशन 75 प्रतिशत मे होइ छै एकरा 74 प्रतिशत मार्क रहै। ओ तइयो चाहय जे खुशी स' कानी। मुदा ओकरा आंखि मे नोरक नियारो तक नहि होइत। ओ चुप आ पाथड़ सन भ' गेल रहथु। ओकरा कोनो खुशी नहि रहै....एको रत्ती नहि....!!!



भविष्य

लोक त' कहिते छलै, हम अपनो बुझैत छलउ जे हम नीक बड़ नीक कंपनी मे काज करैत छी। भलेहि सरकारी नै ने हो। प्राइभेटे मे नामी कलामी आ मोनो पाली बला कंपनी। सब फैस्लीटी पी एफ ग्राइज्युटी बोनस छुट्टी सब किछु आर की चाही। एहि सब ले लेल ने लोक नोकरी करैत अछि। से सबटा छलैहे। तै लोगो कहैय फललाक बड़ नीक नोकरी पकड़ा गेलनि, अपने मोन सैह कहैत छल। उपर होइत कंपनी नीक लागय अपनो।

मुदा से दिन जखन इज्युकिटिभ ड्रायरेक्टर क' मो बाइलमे गप्प करैत सुनिलियै जे ब्रांच मैनेजरक कहै छलै आइ सुर्य ग्रहण छै तै आइ कोनो ऑर्डर नै ले लेल। इ सुनिते हम धराम स' तारक गाछ पर स' बबुर पर खसल रहि। हम सोच लागल रहि जे हमरा सब एखनो एहि युग मे बास करैत छी जे ग्रहण लागल छैक तैं कंपनी क इज्युकिटिभ डायरेक्टर

ऑडर बुक करैय नै कतै छै। से सुनि हम कंपनीक भविष्य स' पहिने अपन भविष्य ताक लागल रही।



राजनीति

देबी शंकर गाम चल गेलाह। एखन गाम नहियो जइतथि, मुदा मुखिया मे जे ठाढ़ भ' गेलाह हें। गाम गेनाइ जरूरी ये छलनि। प्रचार प्रसार केनाइ लोक लग बैसनाइ उठनाइ ओकरा सबकें मनेनाइ बुझेनाइ जे करक छलनि। से देबी शंकर गाम चल गेलाह।

हं जाए काल गामक एकटा मोबाइल नम्बर हमरा द' गेल रहथि जे ई हमर गामक नम्बर रहत। जखन इच्छा हो हमरा स' गप्प भ' जाएत। बेस बड़ बढ़िया। हमहुं ओ मोबाइल नम्बरकें अपना मोबाइल मे सेट क' लेने रही तखन।

चारि पांच दिनका बाद हठात् एक दिन मोन भेल जे हुनकर खोज खबरि लेल जाए। की केना काज आगा चलि रहल छनि, की उभेद छनि आदिक मादे। मुदा नम्बर मिलेला पर बैह स्वीच ऑफ स्वीच ऑफ कहए लागल रहै। ई हुनकर पुरानआदति छनि। कलकतोक मोबाइलकें ओ अहीना बेसी काल बन्ने क' के रखैत रहथि। एखने गप्प हैत आ एखने नहि। आर चारि पांच दिनका बाद मिथिलेश जी भेटलाह हुनका कहलियनि जे देखियौ देबी शंकर गामक एकटा नम्बर द' गेल रहथि से त' लगिते नहि छैक। स्वीच ऑफ स्वीच ऑफ कहैत छै। ओ कहलनि एह ओ नम्बर त' ओ बदलि लेलनि। आ नवका नम्बर मिथिलेश भी लग छलनि से देलनि हमरा। ओही नम्बर पर फोन लगेबिते एकटा दू टा रींग भेलै की नहि ओ ओम्हर स' कहैत छथि हं कहु की समाचार छैक। माने हमर नम्बर आ छथि हं कहु की समाचार छैक। माने हमर नम्बर आ नाम हुनका मोबाइल मे सेट कके रखने रहथि ओ। हम कहलियनि महराज अहां नम्बर बदलि लेलउ, कहबो तक नहि केलउ। मिथिलेश जी स' नम्बर लके फोन केलउ हे।

ओ कहैत छथि एखन त- नम्बररे टा बदलउहें देखैत ने रहियौ जे आर की की बदलैत छी हम। हमरा आश्चर्य भेल जे देवीशंकर एतेक सहज सुशील कोनो लाइ लेपटाइ मे नहि रहै बला ककरो दिस मूंह उठाकें नहि तकै बला से ई की कहैत छथि ओ।

फेर मोन मे आएल नहि ओ त' ठीके कहैत छथि कारण एहि राजनीति मे लोक की की ने करैत अछि चारा खा जाइत अछि, यूरिया फॉकी जाइत अछि अलकतरा पी जाइत अछि। देवी शंकर त' एखन मोबाइले नम्बर टा बदलनि हे, ओ ठीके कहलनि जे देखियौ ने आर की की बदलि लैत छी हम....। ओ मुखिया मे ठाढ़ भेला हे......!



पुत्रधन

बुढ़ाक उमर अस्सीक लक धक मे छलनि मुदा एखनो खुब थेहगड़ सन छलथि लाठी हाथ मे ल' सौसे ठोल सौसे गाम छुड़ि अबैत छलाह। चारि टा बेटा एकटा कें छोड़ी क' सब सपरिवार परदेशे कमाइ खटाइ छलनि। मात्र एकटा जे बेटा पोतहु छलनि। सेहो अलगे रहैत छलनि । दोसर ठाम घर बान्तिकें ओकर सभक कहब छलनि जे जखन आन कियो रखबे नहि करतै त' हमही किए रखबै। सब स' बुड़बक हमही की?

जामे बुड़ही छलखिन तामे भोजन भात बना लैत छलीह ओ। आब बड़ दिक्कत होइत छनि। पोरका ओहो पुत्रधन का श्रवण कुमारक सेवा देखि अपन रस्ता नपलनि। एहि लेल मे लोक बेटा बेटा करैत रहैत अछि। से बुढ़ा क' नातिन अपन अंगना स' आबीक खेनाइ बना दैत छनि आ ई खा क' रहैत छथि अपन अंगना मे। मुदा आब नीक नही लगैत छनि एको रती। बेटा सब गाम नहियेक बरोबरि अबैत छनि सैह बुझू। सब काज उद्येमे ओतते क' लैत छनि। बुढ़ाकें पहीलुका गप्प सप्प मोन पड़ैत छनि जे लोक ठीके कतैत छैक जे बेटा यदि एके टा बेटा हुआ त' नीक। हजार टा कुपात्र बेटाक बदला।

एक राति बुढ़ाक हठात् मोन खराप भ' गेलनि। से कियो नहि बुझलक। बुढ़ा अपनो नहि। राति मे जे सुतला से नातिन जखन अपन अंगना स' आबी भोर मे चुल्हा चेकी त' बाबाक चाह बनाक देम गेल आ बाबाक उठेला पर ढेह डोलेलो पर नहि उठलार त' नातिन चिचिया चिचिया कानय लागल। लोकक भीर लागि गेल छल। कते लोक कतैय नीक भेल बुढ़ाक कुपात्र सभ स' फुर्सत भेलनि।

जे गाम मे रहैत छलनि।



यथार्थ

श्रद्धेय सुशील जी स' बहुत दिन भेट भेना आ गप्प केना भ' गेल रहय। हं यौ वैह सुशील गाम बाली घरारी बला बजबज बला, आब एखन कांडीवली मुंबई बला सेहो कहि सकैत छीयनि बीच बीचमे रिटायरट बाद ओतहो रहैत छैथि। एहि सब स' निश्चय अहां सब हुनका चीन्ह गेल हेबनि। तहु स' नहि चिन्हबैन त' पटना मे मैथिलीक धरना मे पुलिसक लाठी स' चित भ' गेल रहथि मारि खाके सैह सुशील द' कहैत छी।

से जे मोबाइल नम्बर देन8 रहथि गाड़ी पर मिलेला स' गप्प नहि भेल। कहै ई नम्बर अस्तित्व मे नहि छैंक। फेर मिथिलेश आ नवोनारायण जी क' फोन नम्बर लेलउ। मुदा ओहो सब वैह नम्बर देलनि जे हमरा लग छल। फोर रामलोचन जी त' छलाहे हुनका स' नक्क नम्बर ल' फोन मिलेलउ।

ओ तखन मधुबनी मे छला गाम जायक लेल बस पकड़ैत हम गोर लगलियनि। ओ

कहलनि नीके रहूं। यौ आसामक पत्रिका मे अहांक कथा हर-हर महादेव पढ़लउ, बड़ नीक लागल। ज' एक आध ठाम ठीक क' देल जाए त' अहांक ओ श्रेष्ठ कथा हैंत। हम फुलिक तुम्मा भ' गेलउ। कहलियनि आशीर्वाद अहां सभक।

हम फेर पुछलियनि अहां ठीक छी ने।

हं बुढ़ारीक जे दोष सब होइत छै कम देखब कम सुनब सैह सब होइत अछि। कियो कहैय आम हम सुनै छी गाम। हुनक ई बात सुनि हमरा हंसी लागि गेल रहय तखन। निश्चय अहुं सभकें हंसी लागत। मुदा हम फेर नार्मल होइत सोच लगलउ, नहि अर्थात पर कखनो नहि हंसक चाही। ओ त' साहित्यकार छथि कनि हंसैयो लेल एना कहि देने हेता। मुदा हम फेर नार्मल होइत सोच लगलउ नहि यर्थात् पर कखनो नहि हंसक चाही। ओ त' साहित्यकार छथि कनि हंसैयो लेल एना कहि देने हेता। मुदा त' समयक यर्थात् इयाह ने छैंक।



राक्षस

जखन हम अपन मैयाक जकरा बहुत गाम मे दाय सेहो कहैत छीयैक तकरा ओ पेपर मे आयल समाचारक मादे कहलियै जे एहि महानगर मे एक राति एकटा परिवारक माय बाप बेटा दू टा समर्थ बेटी आर घरक कएक गोटा देर राक्ति फिल्म देखय गेलै कोनो नामी कलामी सिनेमा हॉल मे।

टाटा सुमोक पारकिंग कके सबो गोटा सीनेमा देखै गेल। शो बारह एक की डेढ़ बजे रातिक टुटल छलै। जखन वापस घर जाय लेल गाड़ी लग गेल त' देखै छैक जे टाटा सुभोक चारू चमकाक हाबा निकालल छलै। ई सब सोचय लागल रहय एना कोनो भेलै आ आब की कयल जाय। तामे आस्ते आस्ते सिनेमा हॉलक भीड़ खत्म भ' गेलै सब चल गेल छलै, दरबानो सब मेन गेट सब बंद क' चल गेलै। सुन्न सान आ फाका फाका छलै तखन ओतय।

कनिये कालक बादमे ओतय चारि टा गुंडा रिमाल बल आ चक्कू छुड़ा लके एकरा सभक' घेर लेने छलै। एकरा सभक कहलकै तु सब ऐ दूनू समर्थ बेटीक छोड़ि दे आ तु सभ चलि जाइ जो।

परिवारक सब लोक ओकरा सभक हाथ पैड़ पकड़लकै जे लेने पाइ कौड़ी गहना गुड़िया गाड़ी ल' ले धारि हमरा सभक छोड़ि दे। मुदा गुंडा सब नै मानलकै। अन्ततः कहलकै जे एहि मे स' एकटा लड़की के छौड़िये पड़तौ नै त' सभक मारि देबौ।

आ बाद मे एकटा लड़कीक छोड़;ी सभ चलि गेलै डेरा। भोर होइतै गुंडा सभ ओकरा डेराक आस पास छोड़ि आयल छलै। ओहि लड़कीक राति भरि ओहि लड़कीक गीध कोना अतरी भोथरी आ करेज निकालीक खेने हेतै से के जाने।

ओ लड़की डेरा आबी गेल छलै। दोसर दिनका भोर होइ स' पहिने ओ सुसाइड क' लेने छलै।

एतबा सुनिते हमर मैयाक आंखि स' नोर ढपढपा ब' लागल छलै आ कहि उठलै आब मनुक्ख मनुकख नै रहल राक्षस.........भ' गेल अछि राक्षस....!!



मजूरी

रिक्सा बला जखन रातिक साढ़े नौ बजे रस्ता धके जाइत छल तखनो ओहि छौड़िक देखने छलै बियाह बारीक नीचा मे प्रतीक्षा रत ठाढ़ आ जखन ओम्हर स' फरिल रहय करीब रातुक ग्यारह साढ़े ग्यारहक आस पास ओ छौड़ी ओहिना ठाढ़। हं धरि एखन कछमछी आ छटपटाइत बेसी छलै पहिले स। रिक्शा बला रिकसा लेने आगा बढ़ि गेल रहय। हरलै ने फुरलै ओ रिकसा बला रिकसा घुमा लेलक पाछा आ आयल ओहि छौड़ी लग। ओतय एकदम सुन्न सान छलै।

रिक्शा बला पुछै छै अहां कियै एतय ठाढ़ छी। हम जाइतो काल देखने रही आ एखन वापस अबितो काल। एतेक राति गेलै एहन सजल धजल एसगर एतय ठाढ़ अहांक की भेल हे?

एतबे कहिते ओहि छौड़ीक आंखि डबडबा गेल रहै।

आ कहलकै जे हम एतय संगी सब संगे बियाह बारी मे आयल रही। कखन आ कोना ने कोना हमर संगी बहिनपा सब चलि गेल। आस्ते आस्ते एतुको घरबारी सब चलि गेल हमर घर एतय स' दुर बहुत दुर अछि। हमरा आब डर लगैए।

रिक्शा बलाक मोन मे भेलै डरक बात त' उचिते। एकटा कुमारि सोलह सतरहक बयस सजल धजल रस्ता पर ठाड़ कोन विश्वास ककर। कहैय ओ यदि हमरा पर विश्वास करी त' पांच सात मिनट अहां आर ठाड़ रहु हम अबै छी डेरा स' हमरा डेरा लगे मे अछि। ओ रिकसा बला डेरा जा घरबालीक सब गप्प कही चोदही आब ओही छौड़ीक रिक्शा पर बैसा प्राय: दू घंटा रिक्सा चला दू अढ़ाई बजे रातिक सोदपुर ओकरा घर ल' पहुंचल।

ओतय ओकर माय बापक जी जान डेरायल। कखनो रस्ता पर आबय कखनो घर बाहर। सब बात सुनि ओ सब छगुन्ता मे छल। रिक्सा बालक घर ल' जा पाहुंन जकां स्वागत केलक ओकर माय-बाप। भोजन करा एकटा घर मे सुतय देलकै। रिक्शा बला भोरे पांच बजे बिदा भेल। छौड़ीक बाप पांच सौ क' एकटा नोट देलकै रिक्सा बलाक। रिक्सा बला हाथ जोड़ी कहलकै जै बाबू ई पाइ हम नै लेब। ओ सब बड़ जीद केलकै। रिक्सा बला एकहि ठाम पाइ नै लेलकै। कहलकै नै नै ओ अहांक बेटी छी त' हमरो बहिनीये जकां छी। आ बहिनीक इज्जत बजेनाइये हमर मजुरी भेल.....!!



उम्रक मादे

बौआक मोन खराप छलै। माय ओकरा ओगारि क' बैसल छलै। बुच्चीक कहलकै माय जो गई बुच्ची रस्ता बला नल पर जो लोक पानि लैत छैक कहिअनि एक डोल पानि लब दैक लेल।

ओत' जा बुच्ची कहलकै एक गोटा जे पानि ल' रहल छलै तकरा–

पीसी एक डोल जल नीते देबै।

ओ कहलकै पीसी नइ दीदी बोल। नीचे ने एक डोल जल नीचे ने।

डेरा आबी मायकें बुच्ची ई गप्प कहलकै किये गइ मां पीसी कहलियै त' की भेलै।

माय कहलकै तु नहि बुझबीहीन। पीसी कहने ओकरा भेलै जे हमरा उमरदार नहि बुझय कियो.................!



शंका

आइ एतेक देरी किए भेल ऑफिस स' फीड़ै मे पत्नी कनि जोर स' पुछलखिन। पति कहलकै इयाह बस मे भीड़ छलै अपना स्टौपेज पर नहि उतरि मदनमोहन तल्ला स्टौपेंज पर उतरलउ आ ओम्हरै स' अहांक संगी राघव मायक डेरा रस्ते पर छलै ओकर भेट करैत ओ चाह ताह पीयाब लागल ताय कनि देरी भ' गेल। आर त' किछु नहि।

पत्नहक पारा तेज भ' गेलनि। ओ आब बुझलियै अहांक चोरी। अहांक लाज नहि जे ओकरा डेरा गेलउ। अहांक ओकरा पर मोन जाइत अछि। खबरदार जे फेर ओकरा डेरा गेलउ अहां। आ ओकरे हम मना क' दैत छीयैक जे एत' नहि आबय।

आ तकरा बाद स' पति ओम्हर जैबे छोड़ी देलनि। के झुठेक आफद मोल लिअ घर मे। मुदा राघव मायहिनक पत्नीक आत्मीय संगी छलनि ओकर आबा जाही छलैहे, मुदा पति ऑफिस मे रहैत छलै ताय हिनका ओतेक फर्क नहि पड़ैत छलनि। दुनूक डेरा दस मिनटक रास्ता ताम कनि बेसी बात अबरजात रहैत छलै।

एक दिन राघवक माय दुपहरिया मे आयल पत्नी दुआरि पर मानस करैत रहथिन ओ ओतहि बैसि गेल। थोड़े कालक बाद कहैत अछि राघवक माय आए यै बौआ पपार जंघिया किया एते फाटल पहिरै छथि। ओ एतेक गरीब भ' गेलथि की? संगीक मोन चेहरा गेलै। कहलकै की कहलियै? अहां कत' ओकर जंघिया देखलियै? राघव माय कहलकै सैह बुझियौ हम कत' देखलियै। संगी कहलकै अच्छा कहुं त' केहने रंगक छलै, राघवक माय कहलकै कथी रंगक। ई सुनिते संगीक मोन आर चौकि गेलै। नाना तरहक गप्प मोन मे आबय लगलै जकरे डर डल सहै भेल। निश्चय किछु करै काल मे ई देखने हेतै ओकर

जंघिया। फाटल कथि रंगक जंघिया। आ बरसि परलै राघबक मायक उपर आए हमर घर अहां उजारै छी । अहांक नीक नहि हैत। आ आर की कहां।

आ तकरा बाद राघबक माय कहैत छैक ओ देखै नहि छियैक अही त' तार पर जंघिया खींच क' सुखाय लेल देने छियैक सैह देखिक कहलउ.....। दुनू एक दोसराक मुंह देख लागल रहय। राघवक माय त' ठहाकका मारि मारिक हांसय। मुदा संगीक मुंह एखन शंके मे डुबल रहै...



आस्वस्त

लेखकक मेल बक्स मे एकटा कंफीडेंटल भेल आयल रहनि। ओकरा खोलिक ओ देखलनि त' आश्चर्य मे परि गेला ओ।

भेल मे रहै जे प्रबोध साहित्यक सम्मान लेल हम अहांक नाम संयोजन के पढ़ेने छी यदि अहां संग कोनो संपर्क करथि त' अहां उत्तर देबनि। लेखक धराम स' खसला नीचां। ने कोनो पोथी प्रकाशित छनि नहि पैरबी नहि पाइ बला लोक। तखन कोनो हेतै ई बात। हं ई बात जरूर छै।क जे बीस बरख स' रचना करैत छथि आ कोनो पोथी प्रकाशित नयहो भेला पर एखन तक प्राय: दू सच लघुकथा मैथिली विभिन्न पत्र पत्रिका मे प्रकाशित छनि। कथा कविता सेहो दू तीन दर्जन स' बेसीये। मुदा ताही स' की लोक मोजर देतनि। कहियो नहि। कथमपि नहि।

खमता रहितनि त' सच पचासक रचना एकटा पोथी मे दके छपबा लैतथि त' ठीक छलनि। चारि पांच टा पोथी त' भइये जइतनि। से ने राधा कें नौ मोन घी हेतनि ने राधा नचती?

कखनोक होनि जे ज' ई पुरस्कार भेट गेल त' एकर पाइ स' सब पोथी छपा लेब। मुदा वाउ क' बुझलनहि छनि मैथिलीक दराध सब गाम स' दिल्ली आ शहर शहर नगर महानगर सबतरि भरल अछि अपन आ अपन संबंधीक पेट आ धोधि भरवा क लेल।

लेखन आस्वस्त छथि ई सब हुनका नहि भेहतनि कहियो नहि कखनो नहि।



सहानुभूति

ओकर बौआक हाथ टुटि गेल रहै। चौकी पर स' खेलाइत खेलाइत नीचा खसलै आ टुटि गेलै हाथ। डेरा स' फोन एलै ऑफिस सबटा छोड़ि छाड़िक पड़ायल डेरा। आ फेर लते पते लके हॉस्पीटल।

पहीले जाही हॉस्पीटल गेल ओतय कहलकै जे एत' एखन एक्सरे नहि हेतै दोसर ठाम

ल' जाइक लेल। एहि बेर ऑफिसक बगलक हॉस्पीटलमे आनिक देखेलकै। बगलके माने पांच सात या अजीर्न दस मिनटक वाकीग डीस्टेंस। से ओतय आनि एक्सरे केलकै ठीके टुटल रहै हाथ। तामे टेम्प्रोरी प्लास्टरक' कलिहखन आबय कहने रहै। ई सब फेर भोर आयल रहै। अबिते ऑफिसमे फोन सेहो क' देलकै बॉसक। बॉस कहने रहै कोनो काज होउ त' फोन करीहे त' ककरो पढ़ेबौ।

मुदा एकरा अपना विश्वास रहै जे बिना कहने दु पांच गोटा अवश्य आयल एत'। एत' एला पर आर किछु नहि त' एकटा बल त' भेटत। जेना ककरो घर मे एहन किछु भेला पर स्टाफ डायरेक्टर सब चल जाइत छलै उनटि क'। एकरा अपन ऑफिसक ई बात नीक लागैत रहै आ तै कएक गोटाक ई हो जाके देख आयल रहै

मुदा एकरा कियो नहि देख गेलै। डायरेक्टर सभक पता लागल हेतै की नहि से नहि कहब मुदा स्टाफ ऑफिसक सबक पता छलै। एकर बॉस सबके कहि देने रहै। मुदा कियो नहि गेलै। हं ऑफिस जखन दू चारि दिनका बाद आयल ई त' सब जरूर पुछने रहै जे कोना छउ बच्चा। मुदा ई बाद मे बुझलक जे ई साधारण स्टाफ अछि आ साधारणक कियो नहि होइत छैक भगवानक छोड़िक। आ एते दिन जे सबके सब देख जाइत छलै से कोनो ने कोनो तरहे पाइ वा पोस्टमे पैघ छलै। ई अनुभव केलक नहि एहन मनुकख नहि भगवानक कृपा आ सहानुभूतिक आशा राखय सब। बस...आर ककरो नहि।



आश्चर्य

कनियां परसिक खुअबै छलैन आ ओ अपन हाइ हाइक खाइत छलाइथ जे ऑफिसक देरी भेल जाइत छलनि। छः सालक भातिल हुनक चौकी पर पैड़ डोलबैत टीभी देखैत रहय।

हॉस्पिटल स' फोन एलै जे बुच्ची जन्म लेलकै हे से कपड़ा-तपड़ा लके पठा दियौ ककरो हॉस्पिटल। ओ तुंरते मोबाइल स' फोन घरेलनि पिसियौतक डेरा जे पांच सात मिनटक हल्कि छलैन। फोन भौजी बबलूक माय उठेलनि। हुनका ओ कहलखिन जे बबलूक बहिन जन्म लेलकै हे से फोन आयल छलै कपड़ा तपड़ा पढ़बा दियौ ओतय।

भातिल टी भी पर स' ध्यान हटा सब गप्प सुनै छल। दरअसल मे ओकरे मायक बच्चा होनहारी छलै से ओ नै खिज्जी करत ओ जाय लेल संगे आ तै पिसियौतक डेरे स' भावहु सब चल गेल रहथि हॉस्पिटल।

भातिल रिमोट स' टीवी बंदक' पुछै छैक काकी क' जे ककरा बड़ी मम्मी बबलु अंकलक बहिन भेलै हे। ओ दुनू बेकती हंसैत कहलखिन हं हुनके बहिन भेलैन हे। कनि काल त' छौड़ा चुप रहल फेर कहैत अछि ओ....ऐ ओइ चाचीक। एतेक बूढ़ मे.!



इलाज

हमर एकटा ऑफिस क्वालिकक पतनी डॉक्टर छैक। डॉक्टर माने मेडिसीनक डॉक्टर आ पुरूलिया की कतउ हॉस्पिटलक डाक्टरक हेड। से पत्ती पत्नी नोकरीक द्वारे दुनू गोटा दू ठाम रहैत अछि ओ सभ।

ऑफिस मे बहुत तरहक गप्प सप्प अपना मे होइत रहैत छैक। जाही मे ओहि डॉक्टरीक चर्च बेसी काल होइत रहै छैक। माने आइ ई परमोशन काल्हि ओ आदि आदि।

जखन जखन ओ आबय एत त' ऑफिस ओ एक बेर अबिते टा अछि जाहि स' लोक ओकरा आर लग स' चिन्हैत छैक।

हठात एखन कतेक दिन स' हम देखैत छियैक जे ओ दुनू बेकती खूब परेशन आ फीफली भेल अछि माने डाक्टरनीक पेट मे पाथर जकां भ' गेलै हे ताहि लेल ओ एतय महानगर मे घरबला लग आबी नीक नीक डॉ. स' चेकअप करेलक हे। आइ एत' त' काल्हि ओतय आइ अल्ट्रासांउड त' काल्हि एक्सरे। निकललै इयाह जे स्टोन एखन बनब शुरू हे भेलै हे। आ ओ अंग्रेजी दबाइ छोड़िक एकटा ऑफिस क्वालीकेक देखायल साध ारण होमियोपैथिक डॉक्टर स' देखायब शुरू क' लेने छल। आ दबाइ मासदिन पन्द्रह दिन पर ओकरा पुरूलिया पठाबल जाइत छैक।

हमरा ई देखि मोन पड़ल रहय ओकर घर बालाक गप्प जे एक दिन कहने रहय जे ओकर घरबालीक डेरा जाम मे देरी भेल रहै से तीन सौ करीब पैसेंटक लाइन पड़ि गेल छलै अस्पताल मे तकरा देखि ओ डेरा गेल।

से हम छगुन्ता मे पड़ि गेलउ जे डॉक्टर अपन एखनुका साधारण रोग स्टोन लेल दर बदर धुमि होमियौ पैथ दलाइ खाइत अछि से की इलात करैत हैत ओतय। यदि ठीक ओकरे सन केस ओकरा लग आयल हेतै त' की करैत हेतै ओ.....



नोत

बौआ छोट छल आ बुच्ची पैघ। मुदा दुनू कच्चे बच्चा। भरदुतिया दिन सबेर सकाल दुनू भाइ बहिनक नहा सोना क' मां तैयार क' देने छलै।

आंगन मे अरिपन सब द' सिनुर पिठार लगा पिरही द' मटकुरी मे छुट्टा पान गोटा सुपारी चांनीक सिक्का आ कीया मे राखल छलै सिंदुर।

पीठारक चानन ठोप क बौआक पिरही पर बैसा मां पकड़ने छलै दुनू हाथ जोड़ा बुच्ची स' नोत लिया रहल छलै। मुदा बौआ बार-बार हाथ घोड़ा लै छलै आ कहैत छलै नोत दे

ना खाबो....। तखन बुच्ची ओकरा बुझबैत कहलकै ई खाय बला नोत नै छीयै लै बला नोत छीयै। मुदा बौआ एखनो कहैत छलै नोत दे ना खाबो....।



भगवान देथुन

बॉउसक दरमाहा करीब पैइतालीस हजार छलै। अस्टिंटक इयाह दस हजारक करीब। प्राइवेट कंपनी मे जे नियम आ कानून होइत अछि कम पढ़ल लिखल लोक ऊंच ग्रेड आ पोस्ट पर आ बेसी पढ़ल लिखल ओकर अस्टिंटक पद पर।

ओहि कंपनी मे ओ देखैत अछि जे टेकनीकल इंजिनियरक बॉउस के छैक त' एकरा साधारण ग्रैइजुयेट लोक। किएक त' ओ कंपनी मालिकक दोस्त छीयै दोस्त अलग स' चेंबर एसी लागल गाड़ी फोन मोबाइल लैपटॉप घर सब सुभिदा स' परिपूर्ण छल ओ मालिक दोस्त। इंजिनीयरक ओकरा अंडर मे रह पड़ैत छलै। जी सर आ हं सर करैत। दरमाहा आ सुख सुभिदाक सेहो आकाश पातालक अंतर छलै ओकरा सभ मे।

से जे कइ लगलउ पहिलुका बॉउसका मादे से ओ अपन सब घरक काज यथा टेलीफोनक बिल जमा करेनाइ बेटा बेटी अपन बहुक सभक रेलक कतउ गेला पर टिकट कटेनाइ बैंक मे ओकर चेक जमा केनाइ स्कूलक फी जमा केनाइ आदि सब काज अस्टिंटनेक रहै। ओकरा लगैत जे हमर मूल काज इयाहा छी आ तकर बाढ़क काज ऑफिसक। बॉउसक खुब खुश रहै छलै मुदा जे पाइ एकरा जाइ अबै मे बस तसक भाड़ा लगै सेहो नहि दैत रहै। ओ कहै बे मासक अंत मे जे लगलउ से कंपनी मे भाउचर बना हमरा त' साइन करा पाइ ऑफिस स' उठा लीहे। ई कहै यदि हम कंपनी मे स' उठायब त' हमरा टेक्सी भाड़ा दिअ। कएक बेर ई बनाक बॉउसक टेबुल पर देबो केलकै। बांऊस साइन नहि क' भाउचर फेक देने रहै जाही लके कएक बेर गरमो गरमी भ' गेल रहै। लोको बुझै स्टाफ सब जे अपन व्यक्तिगत काज करबै छैक आ ताही लेल किछु नहि दैत छैक।

एक दिन बॉउस आर किछु काज करय देलकै त' अस्सिटेंट कहलकै जे हमरा स' जे अहां अपन काज करबैत छी ता तकरा लेल उचितो नहि किछु दैत छी से अहांक बुझल अछि जे हमरा जे बसो भाड़ा सब अहांक काज मे खर्च करैत छी से हम अपन जेबी स' खर्चा करै छी। अहां दैते नहि छी आ हम कंपनी मे टैक्सी भाड़ा बनबै छी सेहो नहि दैत छी ताय हम चारि पांच महीना स' कतउ भाउचर नहि बना हम अपन खर्च करैत छी।

ओ पैतालिस हजार दरमाहा बला बॉउस कहैत छैक कोनो बात नहि तोरा भगवान देथुन।

अस्सिटेंट चुप्प भ' टेबुल पर आपस चल आएल रहय जे भगवान पाइ देम ने आबी गेल होथि....!



साहित्य अकादमी पुरस्कार

वन ए जजेज कोर्ट रोड, कलकता। भारतीय जीवन बीमा निगमक गेस्ट हाउस मे हमरा सब प्रभास कुमार चौधरीक संगे बैसार मे बैसल रही। ओ जेना नियम बनेने रहथि जे उपस्थित लोक मे जे सब स' कम उम्र क लोक हो तकरे अध्यक्ष बनादैत छलखिन।

से ओहि दिन हमरो बना देलनि।

अध्यक्ष। रचना पाठ आ ओहि पर क्रिया प्रतिक्रिया होइत रहल। हठात् कोनो ने कोनो गप्पक क्रम मे हमरा कहैत छथि अहां सब जतेक गोटा लिखै छी सबके साहित्य अकादमी पुरस्कार भेट जाएत। हम धीया पुते रही तखन आ धीये पुते बला बुद्धियो। हम पुछि देलियनि हमरो?।

ओ कहलनि हं, सब के। ओ ताही समय मे साहित्य अकादमीक परामर्शदात्री कमीटिक सदस्य रहथि। कएक बेर जुड़ी मे सेहो। हुनक सोच आ दुरदर्शिता दाद देमक चाही। नवलोक के उठायब आ प्रोत्साहन देब एहन दोसर कम्भे भेटत।

से बीस बरख लेखन केलाक बादो चारि पांच पोथीक पांडुलिपि घर मे राखल अछि हमर। सामर्थ्य नहि जे छपायब। प्राइवेट कंपनी मे काज क' परिवारक नून तेल चलायब सैह बहुत पैघबात। पोथी मे नहि प्रकाशित त- सम्मान आ पुरस्कार कतय। आ आन जखन ओ नहि छथि तखन। एखनुका लोक क' पुरना लोक सबकें सरकार स' पच्चीस हजार के महीना दिया के मैथिलीक रचना करबाबै लेल आंखि आ पाइ छैक आ नवलोक के उठाबै लेल नहि.....!!



अगिला मास

बाबूक जे एक हजार कके महीने महीना पठबैत छियनि से पठेलियनि की नहि।

नहि पठेलियनि हे नहि। मुदा आइ काल्हि मे पठा दैत छियनि।

एना नहि हेतै जे एखन नहि पठा अगिला मास मे दू हजार एके बेर पठा दैतियनि। एखन त' बौआ बुच्ची सभक अगिला किलास मे नाम लिखाइ किताब कॉपी ड्रेस आदि सब जरूरी ने छैक।

हं किएक ने हेतै। अगिला मास किए छः मास बरख दिनका बाद एके बेर पढा देबनि सेहो न हेतै। सबटा एके बेर जोड़िक'। मुदा जाही समय मे ओ सब हमरा पढ़बै छलाह आ एहिना अगिला किलास मे नाम लिखाइ किताब कॉपी आ ड्रेस सबक जोगाड़ करैत छलाह ताहि दिन इ नहि सोचने हेता जे अपन बेटा बेटी खातिर जे एहि महंगी क' जमाना मे अल्पो किछु पठबैत अछि से बहुत कहल पर एखन नहि पठा एके बेर जोड़िक पठायत.....!!



बौआ

बाबू कोना बुझलखिन जे अहांक परमोशन भेल अछि? निश्चय अहां कहने हेबनि।

हं हमही कहलियनि। कहलियनि त' की भेलै?

की भेलै नहि। हैत त' आब जे ओनाहे ओ सब सबकें कहने फीरैत छथिन जे हमर बेटा बड़का हाकीम अछि आ बड़ पाइ कमाइत अछि, हमरा सबकें नहि दैत अछि आने देबैत अछि। आब त' आरो सौसे डंका पीटता। अपने सभक ने बैइज्जति हैंत।

हुअ दियौ हैत त' हैत।

ऐं यौ अहांक बौआक सप्पत देने रही जे परमोशनक बात नहि कहबनि हुनका सभ कें तइयो अहां कही देलियनि। बौओक सप्पत नहि लागल अहां कें।

नहि। एकदम नहि। कारण जे बौआ हमर आ अहांक अछि एखन सैह बौआ हमहुं ने छलियनि आ छीयनि हुनक।

ठीक छै त' हुनका सभकें लके नाचल करू।

नहि हुनका सभकें लके किए नाचब अहां सभ जे छी नचबै आ नचाबै लेल...।

बदमाश नहितन।



कमाइ

दुर्गा पूजा मे गाम जाइ छह की?

नहि काका नहि जैब।

किए, किए ने जेबह। गाम गेनाइ एनाइ कियो छोड़य। कम स' कम पूजो मे आयल करह गाम।

इच्छा त' अपनो सैह रहैत अछि मुदा...।

मुदा की। तखन किये नहि जेबह।

देखै नहि छियैक काका गाम जाइत देरी नवका छौड़ा सब से मुखिया सरपंच भेलै हे से कोना करय लगैत छैक चंदा लेल।

त' एहि मे की छैक। जे अर्थ रहत' से दिहक।

नहि काका से ओ सब नहि लेतै। झुंड नान्हिक अबै जेता आ ग्यारह सय एकैस सच एकावन सयक रसीद काटिक चल जेता। हुनका सभ कें होइत छनि जे हमरे सब सनक कमाइ एकरो सभक छैक बाहर मे। ओ सब ई नहि बुझैत छैक से जे रहितै त' अपन मातृभुमि आ माय बाप सर समाज स' दुरे रहितउ। तैं एखन नहि बाद मे जायब गाम कका...।



भरसा

बजट मे कुली सभक सरकारी नोकरी दैक बात सुनि रमीया मायक मन मयूर नाच लागल रहै। ओकर घरबला हबड़ा मे कुलीक काज आइ दसो पन्द्रर बरख स' गाम पर।

लोकक खेत मे रोपनी कटनी कमौनी आदिक काज करैत अछि। रमीया माय। समय भेटै छैक त' गिरहतक हबेली उगरल पुगरल खेनाइ पीनाय भेटि जाइत छैक।

से जे गिरहत सब मूंहे सुनलक रमीया माय जे आब कुली सभक' सरकारी काज भ' जेतै से सुनि पुछैत अछि गिरहत स' गिरहत एखन भोट तोट नै ने छैक? गिरहत कहलकै नै। मुदा से किया पुछलै गै। नै गिरहत भोट रहै छै त' एहिना नै कतै छै नेता औरी ई क' देबौ ई द' देबौ आदि आदि.........!

गिरहत अपलक रमीया मायक मूंह देख रहल छल....!



गुम्म

महानगरक कलचर बेसी खरापे स' भरल। नीक कम्मे सन मुदा ओहूमे कतउ ने कतउ ओकरे गंध। बियाह भेनाइ डिमोर्स पड़ा गेनाइ। ककरो ल' अननाइ साधारण बात अति साधारण।

से ओकर एतय डिमोर्स भ' गेलै। एकटा बेटी सेहो माये लग रहलै। कोर्ट स' जखन सअ कागज पत्रर भेट गेलै त' छौड़ी अपन बियाहक स्वीडन मे रहैत एकटा एतुके लोक स' बात होइत छलै। ओकरे बैक ग्राउंड एहने सन छलै, बापक दू टा बियाह छलै। जकरा स' एकर बियाह क गप्प चलै छलै से सात माय बहीन। दोसर पक्ष मे सेहो पांच टा संतान। दर्जन पूरि गेल रहै।

एकटा लोक कहलकै ओहि छौड़ीक। तोरो स' ओ दर्जन टा बच्चा लेतौ। एकटा छड़ते आर ग्यारह टा लेल तैयार रह'। छौड़ी कहलकै बाप रे मरिये जैब हम।

ओ लोक कहलकै आब लोक बच्चा होइ स' थोड़े मरै छै। ओकर पालन मरै छै....! छौड़ी चुप्प आ गुम्म छल तखन।

[पोषण मनुकख बनबै मे]



धुकधुकी

ओ डायगनोसीस त' करबै छल दबाइ सब सेहो खाइ छलै। मुदा एहि डॉक्टर पर ओकरा भरोस नै छलै। बारीक पटुआ तीत नै बुझल अछि सै पड़ि छलै ओकरा।

ओकरा इच्छा छलै जे एहि बीमारीक स्पेशलिस्ट बड़ नामी डॉक्टर बैंगलोर मे छैक तकरा स' देखाबी। जे सभक बसक बात नै छैक। मुदा ओकरा बसक बात छलै जे रिटायर्ड लोक खुब पाइ भेटल छलै हे।

ओ एक दिन बेटा सबक ल' चल गेल रहय बैंगलोर ओहि डॉक्टर लग। ओतय दू पांच दिन होटल मे रहलाक बाद डज्ञॅक्टर संग नंबर एलै आ देखा लेलक।

डॉक्टर पुरना डाक्टरक पुर्जा देखने छलै। ओ ओही पुर्जाक एकटा फोटो कॉपी राखि। पेसेंटक बिहा क' देलकै बिना किछु दबाइ लिखने।

डॉक्टर कहने रहै तोहर इलाज ठीक चलि रहल छह, आ एखन तकक लेटेस्ट दबाइ दैत छह..... तोरा। एत' अनैक जरूरत नै छह।

पेसेंट चुप छल। एकदम चुप.....!



टिकट

त की करबै दुर्गा पूजा मे जेबइ गाम की छठि मे।

छठि मे। मुदा एखन त' बड़ देरी छैक तकरा एखने किए पुछै छी।

देरी कत' छै यह। नब्बे दिन पहिने रिजर्वेशनो ने करब पड़तै।

त' जाउ ने छठिक टिकट कटा लिय सभक।

मुदा हमर अपन इच्छा छल जे दुर्गा पूजा मे जइतउ त' बहुत गोटा स' भेट घराट होइतै जे संगी साथी सब बाहर रहैत अछि, प्राय: बहुत गोटा अबैए एहि मे गाम।

त' चल जाउ अहां दुर्गे पूजा मे गाम।

आ आहां सभ।

हमरा सभ छठिये मे जाएब।

से कतउ भेलय ये। हम एक बेर आ अहां सब एक बेर जाएब।

से त' माए के ने पुछितियैक जे बिना भिन्न भिनाउज भेने सबटा ओहा रखने छथि आ अहांक पाबनि कहांक अलग क' देलनि। सेहो ओ जे अपने ओ कोबला केने छथिन। पाबनि कतइ छोडत्रे दियै। छट्ठी परमेसरी बड़ पैघ छथिन। हं..............।



भोटक खातिर

हम तखन किलास पांच या छ: मे पढ़ैत हैब। सैह हेतै प्राय:। भोरका जाड़क मासक समय दामोदर महीसिक थैरि लग कएल घुर लग बैसिक आगि तपैत रही। धुन लागल रहै

जाहि स' ठंड आर बढ़ि गेल रहै। सूर्य भगवान त' उगि गेल रहथिन मुदा हुनका मेघ कुहासा झापि देने रहनि निकलैये नहि दैनिक।

से हमरा सब ओत' बैसि आगि तपैत रही। घुर ठीक रस्ताक कात मे नीचा छलै। एकटा उज्जर दप दपकार आबिक ओत रूकलै आ ओहि मे स' चारि पांच गोटा कुर्ता बंडी साल पहिरने ओढ़ने कल जोड़ने नीचा उतरलै ओतय बेसी भाग धीये पुता हम सब छलउ तकरा छोड़ीक दामोदर जे महीश दुहैत रहथि हुनका लग जा ओहि मे स' एक गोटा जे राजा रजबार जकां दिव्यमान देखाइत छल हुनका लग जा.. पायर छुबीक प्रणाम केलनि। आ कहलकनि झंझारपुर श्रेत्र स' हम ठाढ़ छी। हम्मर नाम डॉ. फल्ला छी कृपा कके हमरा जीतायब। दामोदरक ठेका खुजल छलनि तकरा खोसैत कहलनि हं....हं जरूर।

आ तकरा बाद कार कें कात मे ठाढ़ कके सबो गोटा उतर मूहे पायरे जाइत गेलाह आज डोम दुसाध ब्राह्मण भेटैत गेलनि सबके पयर छुबी ओ गोर लगैत आ कहैत गेला जे हम भोट मे ठाढ़ छी एहि पार्टी स' कृपया हमरा जीतायब।

हम तखन बच्चा रही किछु नहि बुझने रही तखन। मुदा आब बुझैत छी जे ब्राह्मण परिवार मे जन्मल पी एचडी कमल डॉ. साहेब बड़का दैनिक पत्रक संपादक रहथि आ तिनका लोक राजनीति मे उतरबा एहन काज करेलक आ ओ केलनि।

हमरा मोन नहि अछि जे ओ जीतल रहथि की हारल रहथि मुदा ओ दुनू हाथे पायर छुबीक सभक गोर लागब हमरा एखनो मोन अछि......।



बुद्धू

कनियां हमर मोहल्लाक किराना दोकान स' किछु लैत छलथि। एतबे मे दू टा छौड़ा कैमहरहु स' एलै और कहलकै दोकान बालीक बोदी हजार आछे?। दोकान बाली कहलकै नेइ डेढ़ हजार आछे। कनियां हमर एक बेरक दोकान बाली बोदी दिस ताकथि आ एक बेरक ओहि छौड़ा दिस।

छौड़ा कहलकै ना बोदी हजार लागतो आ ओ सब चलि गेलै। जखन ओ सब चलि गेलै त' हमर कनियां मोने मोन सोच लागल रहथि ओतय जे एतेक चीज कीनलउ ई हजार का डेढ़ हजार नै कीनलउ। की होइ छै ई?

आ पुछि देने रहथिन दोकान बालीक जे ई की लेम आयल छलौ। ओ कहलकै हजार लब आयल छलै। कनियां पुछे छथिन ई हजार की होइत छैंक। ओ हंसैत कहलकैन ई शिखर होइ छै शिखर। कनियां फेर पुछै छथिन आ डेढ़ हजार। ओ फेर कहलकनि ईहो शिखरे होइत छैक। हजारक पावर कम होइत छैक आ डेढ़ हजारक बेसी।

समान ल' कनियां डेरा....आबि गेल रहथि।

तामे ऑफिस स' हमहु आबि गेल रही। हमरा पुछै छथि ओ हजार डेढ़ हजार अहां नै ने खाइ छी? हम हुनक ई बात सुनि अकचका गेलउ ई हजार आ डेढ़ हजार की होइत छैक?

जखन ओ दोकान परहक गप्प कहलनि त' ठीके भेल रहय हमरा सभक एखन हम सब बड़ पछुआयल छी......!!



पाबनि

जतराक बादे स' बौआ आ बुच्ची दुनू गोटा हमरा तगेदा देब शुरू क' देने रहय। तगेदा माने फटखा छुड़छुड़ी। गाममे रहै जयत। तखन ने बुझितै गेनी कनसुपथीक छुकालोली। हुकालोली लोली चलि जो बभनटोली हुक्का लोली लोली चलि जो दुसाध टोली।

एतय शहर आ महानगर मे रहि गामक संस्कार स' एकदम अलग-थलग। से कएक दिन स' एखन देखै छीयै दुनू भाइ बहिनक हमरा ऑफिस स' फीरते मिठाईक बदलाये फटखा छुड़छुड़ीक खोज करैत रहैत अछि। बैंग डेरा मे रखिते ओ सब उधस लगैत अछि बैंगक'।

जखन दीयाबाती लेगचा गेलै तकर एक या दू दिन पहिने हम आनि देने रहियै छुड़छड़ी चक्र आकाश तार, नागीन मिरचइया मोती झाबा चाकलेत बम आदि आदि।

बौआ आ बुच्ची दुनू छोटे छल माने बुच्ची पांच बरखक त' बौआ कतेक अढ़ाइ बरखक। ओ सबक छुड़छुड़ी तुरछुड़ी देलियै अपने दुनू बेकती आकाश तारा, चाकलेट बम आदि आदि छोड़लउ।

बौआक बुच्चीक जखन छुड़छुड़ी मे आगि लगा लगा ओकरा हाथ मे देलियै आ ओ छुड़छुड़ा लगलै त' बौआ हाथ डोला डोला कहैत छैक होली है होली है, बड़ खुशी छल आ कुदै दल छुड़छुड़ी लके।

जखन बौआक मुंहे होली है होली है सुनलउ त' हंसी लागय लागल हमरा सभक। मुदा हम सोच मे पड़ि गेल रहि तखन जे बाहरक इयाह संस्कार छैक जे बच्चाक हम सब पावनि तिहारक मादो तक नै बुआ पाबै छी....।

आ बौआ फेर कुदैत कहैत अछि होली है। होली है...............!



भविष्य

प्राइभेटो नोकरी कोनो खराप नोकरी नै होइ छै। ताही मे जखन सरकारी नोकरी लेल बहुत प्रयास परीक्षा देलो पर नै भेटै छैक आ एज बीतल चल जा रहल हो।

से हारि थाकिक पकड़ि लेलक प्राइवेट नोकरी ओ। भगवान भगवतीक दया स' नीक सैलरी आ फैस्लेटी भेटल रहै। ओ खुश छल खुश खुश। मुदा ओकर पिताजी क' मोन एखनो छोट छलैक। कारण ओकरा देखल छलै जे ओ ओतेक पैघ कंपनी मे काज करैत छल। मैनेजमेंटक खास लोक आ पोस्टो छलै ओकर। रातिखन दस बजे तक काज केने रहय ऑफिस मे।

प्रात: भेने ऑफिस गेल रहय त' एकटा बड़का तल्ला लटकल छलै ओतय। तैं ओकरा पिताजीक कोनो भविष्य नै नजरि आबी रहल छै एहि प्राइवेट फार्म नै....।



छुआएब

छड़ि पाबनि मे हम गाम गेल रही। गाम गेला पर आने बेर जका सभक भेट घाट केलाक बाद कलम गाछी आ लग पासक खेत पथार कें देख आयल रही। जखन कलम देखकें अबैत रही त' ओतहे खतबे टोली छलै ततय जा गोठ बाली बुड़ियाकें भेट क' ए' गेलउ। बुड़िया बड़ बुढ़ भ' गेल छैक, हम सब जखन बच्चा रही आ गाम घर मे रहैत रही त' आंगन घरक सब काज ओहे करैत छलै। आ फुटबॉल या साइकिल ताइकिल वा गाछे विरीक्ष पर स' जे खसी से ओहा बुढ़िया ससारीक ठीक क' दैत छल। केहनो केहनो टुटल आ चोट लागल कें ओ ससारियेक ठीक क' दैत छलै।

अपना त' भेल रहय जे एते दिन पर गाम एलउ हे ओ हेतै की नहि। मुदा हम ओकर नाम लैत ओकरा अंगना मे पैसि गेल रही। दु टा बेटा दुआरिक चौकी पर बैसल रहे, पुतोहु अंगने मे चुल्हा पर चाह बनबै छलै आ कचबच ओकर धीया पुता छीपा बाटी गिलास आदि लेने चुल्हाक घेरने जे चाह हेतै त' लेब। आ बुड़िया नीचा मे बैसिक चाउर फटकै छलै। बुढ़ झुठकुछ बुढ़। हमरा देखिते चिन्ह गेल रहय आ कुर्सी दै लेल बेटा कें कहलकै तामे हम नीचे मे एकटा बोरा बीछायल छलै तइ पर बैसि रहल रही। थोड़े काल बैसलाक छलै तइ पर बैसि रहल रही। थोड़े काल बैसलाक बाद हम जेबी स' दस टा रूपया निकालिकें ओकरा देलियै जे बीड़ी तमाकु खैब। ओ ओकरा लैत हमरा कहने रहय। हमरो औरदा लके जी।

तामे ओकर पुतोहुं एकटा बच्चा दीया मैल खट खट गिलास मे चाह पठा देलक हमरा। आब हम तारतम्य मे पड़ि गेलउ जे ई चाह पीबी की नहि। आ दू सकेंड सोचि हम ओ चाह पी लेने रही जे बुढ़िया के हड्डी ससारै स' हम छुआये नहि रही, ओ जे बुढ़िया के हड्डी ससारे स' हम छुआये नहि रही, ओ जे आशीर्वाद देलक जे हमरो औरदा लके जी ताही स' छुअबे नहि केलउ, जे हमरो औरदा लके जी ताही स' छुअबे नहि केलउ ओकर कयल काज उद्येम स' छुअबे नहि केलउ आ चाह स' छुआ जैब। नहि एकदम नहि हम

चाह पी आबी गेल रही धरि गाम पर नहि बाजल रही कारण जुना जरि गेल अइठन अछिये ने एखनो हमरा समजा मे....।



समयक संग

ओकर बौआक आइ जन्मदिन छलै। मायक इच्छा रहैत छनि जे सब बेर क' जन्म दिन मनावी। मुदा हिनकर अपन इच्छा से नहि रहैत छनि। कहैत छथिन नहि ई जन्म दिन तन्म दिन मनेबाक अपना सभक चीज नहि छी। ई सब बाहरक सभ्यता संस्कृति छीयैक। आ एत' जे करैत अछि तकरा अफरात पाइ रहै छैक ताय करैत अछि।

से बौआक पांचम जन्म दिन रहै। माय दु मास पहिने स' बाजार कोनो काजे गेल रहथि ओतय फुटे पर स' नब्बे रूपैया मे एकटा हॉफ पेंट आ हाफे टी सर्ट गंजी जकां आनिक रखने रहथि से सॉलखन पहिरा थोड़े खीर रान्हि कनि दस टा करीब रसगुल्ला आनि भगवान सबका उसरगि देने रहथि।

हिनकर अपनो मोन रहनि जे एहि बेर एकटा छोटे केक ऑफिसस' अबै काल मे लेने आयब आ कटबा देबै बौआक। ओहो टीभी सब मे देखैत रहैत छैक से कएक दिन कहनहे रहनि हिनका।

मुदा ऑफिस स' सोहे पर डेरा आबि गेल रहथि। मोने नहि रहतनि एकोरती डेर। आबि देखलनि भगवान सब क' फूल माला पहिरायल आ बौआ नवका गंजी कपड़ा बला टीसर्ट पहिरक चौकी पर बैसल रहय। तखन जाके मोन पड़लै जे बौआक आइ जन्मदिन धैय पपा बैंग राखिक बौआक लग जा' दुनू हाथे ओकर हाथ पकड़ि ओकरा दुलार करैत पीठ भरे पारि देलकै।

बौआ पुछलकै पपा हमरा से की अनलउ। पपा चुप भ' गेल कारण किछु अनने त' छलै नहि। केका मोन रखने रहय आनब सेहो बिसरी गेलै। तइयो झट द' कहलकै अहां स' की आनब। प्यार अनलउ हे प्यार। आ से कहि ओकर गाल मे चुम्मा लेमय लगलै। तामेमे बौआ पड़ले पड़ल पएर फेकलकै आ कहलकै प्यार अनलथि हे प्यार! पपाक छाती मे चीट लागल रहै। मोने मोन लाज सेहो भेल रहै जे किएक ने मना दैत छीयैक जन्म दिन कारण ओ सब थोड़े बुझै छैक पपा हमर गरीब अछि की छनिक। छोटे किछु एकटा गीफटे द' दैतै, पच्चीस पच्चास रूपैयाक। समयक संग चलक चाही हमरा सभकें से ओकर पापा अनुभव केने रहय तखन।



विश्वकप

आइ ऑफिस मे ढुकिते देखलउ जे चाहक संग एकटाक गरम सिंघारा आ एकटाक पैघ गरम जलेवी सबक टेबुल पर प्यून द' गेलै।

पता चलल जे पाल बाबू सभ कें ई सेंघारा आ जीलेबी बुयैलकै इै। सेहो ओते पैघ ऑफिसर भके दोकान स' जाके अपने स' कीन क' अपने हाथे आनिक प्यून कें देल कै जे सबक चाहक संग द' दैक लेल।

खुशी छलै जे सेमी फाइनल मे पाकिस्तान के भारत हरा देलकै 29 रन स। खुशीक गप्प त' ठीके छल।

हम पुछलियै पाल बाबू विश्वकप में जीतला स' जतेक खुशी होइत छैक ततेक खुशी अहां लागि रहल छी एखने। फाइनल बाकीये अछि।

पाल बाबू कहैत अछि हमर भारत 2 टा विश्वकप जीतलक हे से बुझल न छउ तोरा सभक एक आस्ट्रेलिया क' हरेलक से आ दोसर कालिखन सेमीफाइनल मे पाकिस्तान कें। हमरा लेल इयाह विश्वकप छी। सब एक दोसराक मूंह ताकय लागल रहय तखन!

